RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु ,रविवार ,19 जुलाई 2026 | वर्ष-6, अंक- 21 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

CBC NEWSPAPER CODE: 134480

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

सर्वाधिक सैनिक व सैन्य अधिकारी देने वाला जनपद है बुलंदशहर

मुख्यमंत्री ने बच्चों को दिया आत्म अनुशासन व परिश्रम का मंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को आत्म अनुशासन, परिश्रम का मंत्र दिया। अनुशासन ही जीवन का सबसे बड़ा मंत्र है। आगे वही बढ़ा है और इतिहास भी उसी ने बनाया है, जो अनुशासित, परिश्रमी होकर प्रयास करता रहा है। आप भी नए इतिहास को बनाने की दिशा में प्रयास करें। सीएम ने बच्चों से कहा कि राष्ट्र प्रथम का भाव अंतःकरण में होना चाहिए। दुनिया के जिस सबसे बड़े सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सभी के सामने आदर्श प्रस्तुत किया है, आपको उसका सानिध्य प्राप्त हो रहा है। इससे कुछ सीख पाए तो जीवन सार्थक होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बुलंदशहर पहुंचे। उन्होंने यहां रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान का अभिनंदन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि निजी ट्रस्ट भी सैनिक स्कूल प्रारंभ कर सकते हैं, इस अभियान का हिस्सा बनकर बुलंदशहर में सैनिक स्कूल की स्थापना की गई। सर्वाधिक सैनिक व सैन्य अधिकारी देने वाले बुलंदशहर में सैनिक स्कूल की स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सीएम ने सैनिक स्कूल को 32 बीघा जमीन देने वाले बाबा राजपाल सिंह का अभिनंदन किया। कहा कि बाबा राजपाल सिंह ने इस कदम से बता दिया कि उनका जीवन भी साधना राष्ट्र को समर्पित है। उन्होंने रज्जू भैया के पैतृक जनपद में उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए यह जमीन दी है। सीएम ने कहा कि सैनिक स्कूल अनुशासित और संस्कारित वातावरण की ओर ध्यान आकृष्ट करता है। सैनिक के लिए देश प्रथम होता है। स्वहित की तिलांजलि देकर वह देशहित को प्राथमिकता देता है और देश की रक्षा करते हुए बलिदान हो जाता है। सीएम ने बार्डर पर सर्दी और राजस्थान की 50-52 डिग्री तापमान में झुलसाती भयंकर गर्मी में सैनिकों के परिश्रम की चर्चा की, फिर कहा कि सैनिक के लिए देश पहले, फिर परिवार, सबसे अंत में स्वहित होता है। सैनिक माइनस 20-40 डिग्री तापमान में कारगिल की पहाड़ियों में पहरेदारी करते हैं, तब देश सुरक्षित रहता है। मुख्यमंत्री ने बच्चों के समक्ष अपने जापान दौरे की चर्चा की, कहा कि 1945 में जापान में परमाणु बम का दुरुपयोग हुआ था। वहां की सबसे बड़ी आबादी के दो शहर परमाणु बम की चपेट में आए थे। इसमें लाखों लोग मारे गए थे। जापान आर्थिक रूप के साथ ही मनोबल से भी टूट गया था, फिर भी जापान आज विकसित अर्थव्यवस्था है। 1947 में भारत आजाद हुआ, कमोबेश दोनों देशों की परिस्थितियां एक जैसी ही थीं। 12 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की हुई प्रगति अभिनंदनीय है। भारत आज चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो वहीं परमाणु बम के प्रहार के बावजूद जापान कभी रुका, झुका, थका और डिगा नहीं। सीएम ने कहा कि मैंने जापान की टेक्नोलॉजी और आत्म अनुशासन को देखा। आत्म अनुशासन ही किसी जाति, समाज व देश की प्रगति का आधार बनता है। जापान आत्म अनुशासन की वजह से ही विकसित देश बना है। सीएम ने रज्जू भैया को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए छात्रों को अनुशासन का मंत्र दिया, कहा कि उनका जीवन भारत-भारतीयता, सनातन मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन के लिए समर्पित था।

अहमदाबाद की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग

आठ लोगों की मौत, 15 गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, इस घटना में अब तक आठ लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पटाखा फैक्टरी में आग कैसे लगी अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कई मीटर ऊपर उठा धुएं का गुबार पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती यह हादसा रामोल-गात्राड रोड पर मौजूद फैक्टरी में हुआ। वहीं, इसकी सूचना पर दमकल विभाग की पांच से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने के साथ राहत-बचाव में जुट गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यात्रियों से भरी बस पलटी, बड़ा हादसा टला

नूंह (एजेंसी)। जिले की सीमा से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेसवे पर शनिवार को यात्रियों से भरी एक बस के पलट जाने का मामला सामने आया। यह हादसा थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के अंतर्गत रकबा निहारका-चितौरा के पास चौनल नंबर-59 पर हुआ। जानकारी के अनुसार बस दिल्ली की ओर जा रही थी, तभी अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय बस में कई यात्री सवार थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई और न ही कोई जनहानि हुई। हादसे में कुछ यात्रियों को हल्की-फुल्की चोटें आईं, जिन्हें उपचार के लिए नल्हड़ अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही सदर फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेसवे का हिस्सा नूंह जिले से होकर गुजरता है और इस मार्ग पर समय-समय पर सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आती रहती हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। इसके अलावा अवैध पार्किंग, सड़क किनारे अतिक्रमण और ढाबों के संचालन के खिलाफ भी नियमित कार्रवाई की जाती रही है। कई बार एक्सप्रेसवे के आसपास किए गए अतिक्रमणों को हटाने के अभियान भी चलाए गए हैं।

देहरादून-ऋषिकेश फोरलेन के लिए पेड़ कटान पर रोक, कहा- सहमति बनने तक नहीं होगा काम

देहरादून (एजेंसी)। सीएम ने देहरादून-ऋषिकेश हाईवे परियोजना को लेकर जनता, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों की चिंताओं को गंभीरता से लिया है। सीएम ने निर्देश दिए हैं और स्पष्ट किया है कि जब तक सर्वसम्मति नहीं बनती, तब तक पेड़ों का कटान स्थगित रहेगा। देहरादून ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना को लेकर पिछले कुछ दिनों से अनेक नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों एवं स्थानीय लोगों द्वारा व्यक्त की जा रही चिंताओं और सुझावों का मैंने गंभीरता से संज्ञान लिया है। यह परियोजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) की एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है, जिस पर माननीय उच्च न्यायालय के निदेशों तथा सभी आवश्यक वैधानिक एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों एवं प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्यवाही की जा रही थी। परियोजना में वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे हाथी अंडरपास तथा छोटे वन्यजीवों के आवागमन के लिए विशेष कल्वर्ट जैसी व्यवस्थाओं का भी प्रावधान किया गया है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष एवं सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मृत्यु की घटनाओं में कमी लाने में सहायता मिलेगी, जो अक्सर इस रास्ते में देखा जाता है। विकास हमारे लिए आवश्यक है, लेकिन जनभावनाओं, पर्यावरण और स्थानीय हितों की अनदेखी कर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। इसी उद्देश्य से प्रमुख सचिव एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी हितधारकों, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों से पुनः विस्तृत संवाद स्थापित किया जाए।

चिकन नेक पर दिल्ली की पैनी नजर: शाह के बंगाल दौरे पर ढाका-चीन की निगाहें

सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर मंथन

कोलकाता (एजेंसी)। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने उत्तर बंगाल में सैन्य तैयारियों, सुरक्षा स्थिति और परिचालन क्षमता की समीक्षा की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद गृह मंत्री अमित शाह स्वयं उत्तर बंगाल पहुंचकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), खुफिया एजेंसियों और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी और देश के सबसे संवेदनशील रणनीतिक गलियारों में शामिल चिकन नेक की सुरक्षा व्यवस्था पर मंथन कर रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ इसे गृह मंत्री के कार्यकाल में सिलिगुड़ी कॉरिडोर को लेकर अब तक की सबसे महत्वपूर्ण

सुरक्षा समीक्षाओं में से एक मान रहे हैं। तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार रात बागडोगरा पहुंचे शाह का भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर होगी चर्चा करीब 20 से 22 किलोमीटर चौड़ा सिलिगुड़ी कॉरिडोर भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाला एकमात्र स्थलीय संपर्क मार्ग है। पूर्वोत्तर के करीब 5.5 करोड़ लोगों की नागरिक आपूर्ति, सैन्य रसद, रेलवे नेटवर्क, राष्ट्रीय राजमार्ग और व्यापारिक गतिविधियां इसी गलियारे पर निर्भर हैं। इस कॉरिडोर के पश्चिम में नेपाल, उत्तर में भूटान और चीन की चुंबी घाटी, जबकि दक्षिण में बांग्लादेश स्थित है। यही वजह है कि इसे भारत का सबसे संवेदनशील भू-रणनीतिक क्षेत्र माना जाता है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी संकट, सैन्य तनाव या बड़े व्यवधान का सीधा असर पूरे पूर्वोत्तर भारत पर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में क्षेत्रीय भू-राजनीतिक गतिविधियों ने नई दिल्ली की चिंताओं को बढ़ाया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 24 जून 2026 को अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत चीन का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता की।

राजौरी में एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि दिखने के बाद सेना ने एहतियातन की गोलीबारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे राजौरी के तारकुंडी अग्रिम क्षेत्र में छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू हुई, जो लगभग डेढ़ घंटे तक जारी रही। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सीमा पर तैनात जवानों को संदिग्ध आतंकी गतिविधि नजर आई, जिसके बाद सेना ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में सीमा पार से भी छोटे हथियारों से जवाबी गोलीबारी की गयी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह यह पता लगाने के लिए तलाश अभियान शुरू किया गया कि कोई घुसपैठिया तो इलाके में मौजूद नहीं है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और लगातार निगरानी रखी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में बड़ा दांव खेलेंगे चिराग पासवान

किया सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। गठबंधन के सवाल पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ेगी या नहीं, अथवा गठबंधन का क्या स्वरूप होगा, इसका फैसला आने वाले महीनों में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी कमर कस ली है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो एंड सेंटर मार्ट में आयोजित 'मिराकी' कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने यह बड़ा चुनावी एलान किया। पार्टी 403 सीटों पर लड़ने के लिए तैयार उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसके लिए राज्य इकाई जल्द ही केंद्रीय संसदीय बोर्ड को एक औपचारिक प्रस्ताव भेजेगी। गठबंधन पर संशय, पर विस्तार की पूरी योजना गठबंधन के सवाल पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ेगी या नहीं, अथवा गठबंधन का क्या स्वरूप होगा, इसका फैसला आने वाले महीनों में किया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल गठबंधन को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। चिराग पासवान ने भरोसा जताया कि बिहार की तरह लोजपा (रामविलास) उत्तर प्रदेश में भी शानदार प्रदर्शन करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की रूपरेखा साझा करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि लोजपा सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पंजाब और उत्तराखंड के आगामी चुनावों में भी भागीदारी करेगी।

'असत्य और हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत' : राहुल गांधी ने किया वांगचुक का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। राहुल गांधी ने पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से पुलिस द्वारा हटाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के मूल

सिद्धांत ₹असत्य और हिंसा₹ हैं।कांग्रेस सांसद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे। कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई की भी आलोचना की। पार्टी ने कहा कि वांगचुक को वहां से हटाने की घटना देश के लोकतंत्र और संविधान पर एक कलंक है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निदेशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर रची पति की हत्या की साजिश, पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ जिले में सांप के डसने से स्कूल संचालक की संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने शनिवार को दावा किया कि उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर जीवन बीमा की राशि हासिल करने तथा प्रेम संबंधों में बाधा बने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने इस मामले में पत्नी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अतुल पंवार और दामिनी ने 2019 में प्रेम विवाह किया था। दोनों हस्तिनापुर क्षेत्र में रामलीला मैदान के पास कृष्णा किड्स पब्लिक स्कूल का संचालन करते थे और वहीं रहते थे। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह अतुल पंवार को सांप के डसने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की विश्व स्तरीय रक्षा तैयारियों का प्रमाण:राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की आधुनिक सैन्य क्षमता और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों की ताकत को दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और आत्मनिर्भरता को सरकार की प्रमुख प्राथमिकता बताते हुए कहा कि स्टार्टअप, एमएसएमई और घरेलू उद्योग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की आधुनिक, सक्षम और मानकों के अनुरूप रक्षा तैयारियों का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए हैं, जिनके कारण यह क्षमता विकसित हुई है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अनुसंधान, विकास और नवाचार का मजबूत तंत्र जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में स्टार्टअप, एमएसएमई और युवा नवाचारकताओं की अहम भूमिका है। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल बताया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर क्या बोले रक्षा मंत्री? राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को करारा जवाब दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट हुई। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'राष्ट्र प्रथम' और 'सैन्य बल प्रथम' की भावना को भी श्रेय दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस' केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल अपनी सीमा पर ही नहीं, बल्कि जहां से आतंकवाद संचालित होता है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,रविवार,19 जुलाई 2026

शारदा का तांडव जारी! ग्रंट नंबर 12 पर फिर मंडराया विनाश का साया

आधा गांव पहले ही नदी में समा चुका, अब बची आबादी पर भी संकट मंडराया, भूमिहीन हुए परिवार बंधे पर गुजार रहे हैं जिंदगी

निघासन/लखीमपुर–खीरी। भारत– नेपाल सीमा से सटे जनपद लखीमपुर खीरी की तहसील निघासन के अंतर्गत स्थित ग्रंट नंबर 12 में एक बार फिर शारदा नदी ने अपना विकराल और भयावह रूप धारण कर लिया है। नदी का बढ़ता जलस्तर और लगातार हो रहा कटान ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ा रहा है। गांव में भय, असुरक्षा और अनिश्चितता का माहौल है। लोगों का कहना है कि हर पल यह डर बना रहता है कि न जाने अगला घर, अगला खेत या अगली बस्ती कब नदी की तेज धाराओं में समा जाए। ग्रामीण बताते हैं कि पिछले वर्ष शारदा नदी ने ऐसा कहर बरपाया था जिसे आज भी याद कर लोगों की आंखें नम हो जाती हैं। गांव का आधे से अधिक हिस्सा नदी की आगोश में समा गया। सैकड़ों बीघा उपजाऊ कृषि भूमि, दर्जनों

मकान, पेड़–पौधे और वर्षों पुराना पौराणिक मंदिर देखते ही देखते नदी में विलीन हो गया। मंदिर के समाप्त हो जाने से ग्रामीणों की धार्मिक आस्था को भी गहरा आघात पहुंचा है। कटान की त्रासदी झेलने वाले परिवार आज भी स्थायी आशियाने से वंचित हैं। अनेक परिवार मजबूरी में बंधे पर अस्थायी झोपड़ियां बनाकर रहने को विवश हैं। बरसात के मौसम में इन झोपड़ियों में जीवन बिताना किसी चुनौती से कम नहीं है। न पीने के पानी की समुचित व्यवस्था, न स्वास्थ्य सुविधाएं और न ही बच्चों की शिक्षा की कोई सुनिश्चित व्यवस्था। हर दिन उनके सामने नए संघर्ष खड़े हो जाते हैं। सबसे अधिक मार किसानों पर पड़ी है। वर्षों की मेहनत से तैयार की गई उपजाऊ जमीन शारदा नदी की धाराओं में समा चुकी है। आधे से अधिक किसान भूमिहीन हो गए हैं। जिन खेतों से कभी परिवारों का पालन–पोषण होता था, आज वहां केवल नदी का बहता पानी दिखाई देता है। खेती समाप्त होने से परिवारों की आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। कई परिवार मजदूरी कर दो वक्त की रोटी जुटाने को मजबूर हैं, जबकि कुछ परिवार सरकारी सहायता की प्रतीक्षा में जीवन काट रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि हर वर्ष बाढ़ और कटान के समय प्रशासनिक अधिकारी निरीक्षण कर आश्वासन तो देते हैं, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते। यदि समय रहते मजबूत कटानरोधी कार्य नहीं कराया गया, तो शेष बचा गांव भी नदी के गर्भ में समा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि तत्काल ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। स्थानीय लोगों ने शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रंट नंबर 12 को बचाने के लिए युद्धस्तर पर कटानरोधी कार्य कराया जाए, विस्थापित परिवारों का स्थायी पुनर्वास किया जाए, भूमिहीन किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए तथा रोजगार और आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में यह गांव पूरी तरह नक्शे से मिट सकता है। ग्रंट नंबर 12 के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा यही है कि वे हर दिन मौत और विस्थापन के डर के साथ जी रहे हैं। शारदा नदी का बढ़ता कहर केवल जमीन ही नहीं निगल रहा, बल्कि लोगों के सपने, उनकी उम्मीदें और उनका भविष्य भी अपने साथ बहाता जा रहा है। अब सभी की निगाहें शासन और प्रशासन पर टिकी हैं कि आखिर कब इस विनाशकारी कटान से स्थायी राहत मिलेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

लहरपुर (सीतापुर), 18 जुलाई। तहसील लहरपुर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने आमजन की शिकायतों और समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे, जिनमें राजस्व, भूमि विवाद, पुलिस, विकास कार्यों, पेयजल, विद्युत एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें शामिल रहीं।

समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान बिना अनावश्यक विलंब के किया जाए तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कई मामलों में संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए समय–सीमा निर्धारित की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जाए। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सिकंदराबाद विद्युत उपकेंद्र के सैकड़ों गांवों में बिजली संकट

आए दिन केबिल बॉक्स खराब, ट्राली खराब, कहीं रोस्टिंग के नाम पर भरपूर बिजली कटौती

गोला गोकर्णनाथ–खीरी।विधुत उपकेंद्र सिकंदराबाद के अंतर्गत आने वाले सैंकड़ो गाँवों के उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है, शुक्रवार रात से नहीं मिली बिजली रात में बारिश के बाद दूसरे दिन भी नहीं आयी बिजली जिससे सैंकड़ो गाँव ब्लैक आउट हो गए उपभोक्ताओं का कहना है कि शुक्रवार शाम को लाइट गयी जिसके बाद रात में सिर्फ दस मिनट के लिए आयी उसके बाद 18 घंटे से ऊपर बीतने के बाद भी

बिजली नहीं आयी, बिजली न आने से इन्वार्टर फोन सब डाउन हो गए वहीं पीने के लिए पानी की भी दिक्क़ते बढ़ गयी हैं, सिकंदराबाद उपकेंद्र का सीयूजी नम्बर बंद रहता है, कहीं रोस्टिंग के नाम पर तो कहीं आए दिन केबिल बॉक्स खराब ट्राली खराब होने के चलते बिजली कटौती रहती है, जिससे सिकंदराबाद उपकेन्द्र के अंतर्गत आने वाले गांव बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं, उपभोक्ताओं का कहना हैं कि बिजली विभाग का यही रवैया रहा तो हम लोग मजबूरन सिकंदराबाद उपकेन्द्र का घेराव कर धरने पर बैठेंगे। कर्मचारियों के मनमानी के चलते बिजली व्यवस्था का बुरा हाल है, इस सम्बन्ध में जब जेई का नम्बर लगाया तो उनका फोन उठा और बोले अभी वापस फोन करता हूं उसके बाद फोन नहीं आया, एसडीओ गोला का नम्बर नेटवर्क कवरेज के बाहर होने के चलते बात नहीं हो पाई।

दो दिनों से लापता युवक का गन्ने के खेत में मिला नर कंकाल, कपड़ों से हुई शिनाख्त

वन विभाग ने बाघ के पगचिह्न मिलने से किया इंकार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

गोला गोकर्णनाथ–खीरी ।दक्षिणी खीरी वन प्रभाग की महेशपुर वन रेंज अंतर्गत ग्राम झाऊपुर में शनिवार सुबह गन्ने के खेत में मानव कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया बाघ के हमले में युवक की मौत की आशंका जताई जा रही है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम तुलमेलगंज निवासी 35 वर्षीय अनिल पुत्र जुगुल किशोर उर्फ पंडा के रूप में हुई है। परिजनों ने मौके पर पड़े कपड़ों के आधार पर कंकाल की शिनाख्त की। परिजनों के अनुसार अनिल बीते गुरुवार शाम करीब चार बजे झाऊपुर बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम तक वापस न लौटने पर तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। शनिवार सुबह किसान खेतों की ओर गए तो झाऊपुर निवासी जय प्रकाश शर्मा के गन्ने के खेत में कंकाल पड़ा देखा। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि तीन दिन पूर्व इसी खेत में बाघ ने नीलगाय पर हमला कर उसे मार दिया था। तब वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शव को दफनाकर ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि वन विभाग समय रहते सक्रिय होता तो यह घटना टल सकती थी। सूचना पर थाना हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। वहीं घंटों बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने बाघ के हमले की पुष्टि नहीं की। महेशपुर रेंजर निर्भय प्रताप शाही ने कहा कि घटनास्थल पर बाघ के कोई पगचिह्न नहीं मिले हैं और मृतक के कपड़ों पर भी बाघ के हमले जैसे निशान नहीं हैं। पास में ही बाघ द्वारा नीलगाय का शिकार किया गया था, ऐसी स्थिति में बाघ द्वारा इंसान को निवाला बनाने की संभावना कम है। डीएफओ साउथ खीरी तापस मिहिर ने बताया कि क्षेत्रीय टीम जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।बताते चलें कि इस वर्ष बाघ के हमलों में एक किसान की जान जा चुकी है और करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद से ग्रामीण खेतों की ओर जाने से कतरा रहे हैं।

मेगा ऋण मेले में लाभार्थियों को स्वरोजगार के लिए किया गया प्रेरित

सीतापुर। मेगा ऋण मेले में बैंक अधिकारियों ने लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से नया उद्योग, व्यापार एवं स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दीक्षा जोशी ने कहा कि ऐसे ऋण मेलों का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, बैंकिंग सेवाओं को जन–जन तक पहुंचाना तथा

युवाओं, महिलाओं, किसानों, स्ट्रीट वेंडरों और उद्यमियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के अंत में बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभाकर गौतम ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि इस प्रकार के आयोजन जनपद में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेंगे। मेगा ऋण मेले में बड़ी संख्या में लाभार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों, बैंक अधिकारियों एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की। यह आयोजन जनपदवासियों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा वित्तीय सहायता हासिल करने का एक प्रभावी मंच साबित हुआ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 28 शिकायते दर्ज, 04 का मौके पर निस्तारण

निघासन–खीरी ।तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता तहसीलदार त्रिपाठी ने की जिसमें 28 शिकायतें विभिन्न विभागों की दर्ज हुई मौके पर 4 शिकायतों निस्तारण कर दिया गया। तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतें राजस्व की 19, पुलिस की5, विकास विभाग की 2, तथा पूर्ति वा गन्ना विभाग की एक एक शिकायत दर्ज हुई जिसमें से राजस्व की 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया इस दौरान तहसीलदार के अतिरिक्त नायाब तहसीलदार अभिषेक कुमार खण्ड विकास अधिकारी जयस कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी वा कर्मचारी मौजूद रहे।

बिसवां बार एसोसिएशन ने नवागत एसडीएम प्रशासनिक एवं न्यायिक का किया भव्य स्वागत

बिसवां (सीतापुर)। बिसवां बार एसोसिएशन के तत्वावधान में बार सभागार बिसवां में नवागत उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. राहुल सिंह एवं नवागत उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार के सम्मान में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राज किशोर यादव एवं सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने दोनों अधिकारियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर स्वागत किया तथा उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. सिंह, ब्रजेश नारायण गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया, उपाध्यक्ष इंतिखाब आलम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष अनमोल कन्हैया सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि उपजिलाधिकारी (प्रशासनिक) डॉ. राहुल सिंह सिद्धार्थनगर जनपद तथा उपजिलाधिकारी (न्यायिक) सुधीर कुमार अयोध्या जनपद से स्थानांतरित होकर हाल ही में तहसील बिसवां में तैनात हुए हैं। अपने संबोधन में दोनों अधिकारियों ने बार एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन एवं वादकारियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने अधिवक्ताओं के सहयोग से बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने तथा न्यायिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने का भरोसा दिलाया। अधिवक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में तहसील बिसवां में प्रशासनिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता और जनविश्वास को नई मजबूती मिलेगी। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सोनम वांगचुक के समर्थन में बिसवां में क्रमिक अनशन शुरू, पहले दिन 61 लोगों ने दिया समर्थन

बिसवां (सीतापुर)। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक द्वारा दिल्ली के जंतर–मंतर पर नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग तथा केंद्र सरकार द्वारा उनकी भूख हड़ताल के बावजूद

झोलाछाप डॉक्टर के सील क्लीनिक को खुलवाने का आरोप, समाधान दिवस में फिर गरमाया मामला

पीड़ित पक्ष ने उठाए कई गंभीर सवाल, उच्चस्तरीय जांच, डिग्री और मेडिकल प्रैक्टिस के दस्तावेजों की जांच की मांग

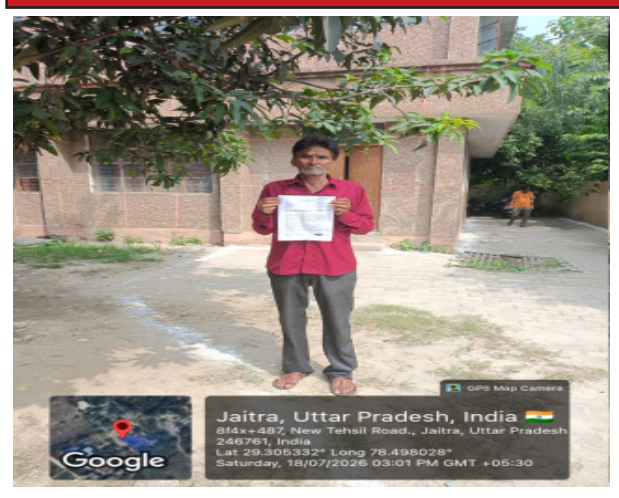

शेरकोट। शेरकोट क्षेत्र में कथित झोलाछाप डॉक्टर मोहम्मद नबी का मामला एक बार फिर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंच देकर आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील किए गए क्लीनिक को नियमों की अनदेखी करते हुए दोबारा खुलवा दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि इस पूरे घटनाक्रम में अधिकारियों को गुमराह किया गया, जिससे निष्पक्ष जांच प्रभावित हुई है। उसने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अपनी पुत्री को न्याय दिलाने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने प्रार्थना–पत्र में कहा है कि उसकी पुत्री नरगिस के कथित गलत इलाज के मामले में वह काफी समय से न्याय की मांग कर रहा है। इस संबंध में उसने पहले भी जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य उच्चाधिकारियों को कई शिकायती पत्र दिए थे। शिकायतों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी द्वारा 2 जुलाई को कथित झोलाछाप डॉक्टर मोहम्मद नबी के क्लीनिक पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया गया था। अब शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधित डॉक्टर ने सील किए गए क्लीनिक को अपना आवास बताकर अधिकारियों को भ्रमित किया और इसी आधार पर सील खुलवा ली। जबकि वास्तविकता यह है कि डॉक्टर अपने परिवार के साथ ग्राम शहजादपुर स्थित अपने पैतृक घर में रहता है और जिस भवन को आवास बताया गया, वहां क्लीनिक का संचालन किया जाता था। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि यह तथ्य सही है तो अधिकारियों को गुमराह कर सरकारी कार्रवाई को निष्प्रभावी बनाया गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। प्रार्थना–पत्र में कई गंभीर सवाल भी उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने पूछा है कि 2 जुलाई को क्लीनिक सील किए जाने के बाद आज तक उसकी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। यदि जांच पूरी हो चुकी है तो उसकी रिपोर्ट सामने लाई जाए ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि जिस क्लीनिक की सील हटाई गई, उसे बिना विधिवत निरीक्षण और बिना अंदर की स्थिति का सत्यापन किए ही खोल दिया गया। इससे कार्रवाई की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रार्थना–पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कथित रूप से आधी रात के समय क्लीनिक से ऑपरेशन में प्रयुक्त होने वाले उपकरण, चिकित्सा सामग्री और क्लीनिक का बोर्ड हटाया गया। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि यह पता लगाया जाए कि यह सामान किसके निर्देश पर और किस उद्देश्य से हटाया गया तथा उस समय कौन–कौन लोग मौजूद थे।

संवाद स्थापित न किए जाने के विरोध में बिसवां में अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया कर्मियों ने समर्थन स्वरूप क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। शनिवार को शहीद पार्क, बिसवां में आयोजित क्रमिक अनशन के पहले दिन विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। आंदोलनकारियों का कहना है कि नीट परीक्षा लीक प्रकरण ने देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है और इस मामले में जवाबदेही तय होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने सोनम वांगचुक की मांगों पर केंद्र सरकार से सकारात्मक संवाद स्थापित करने की मांग की। क्रमिक अनशन के पहले दिन करीब 61 लोगों ने अपना समर्थन दर्ज कराया। अनशन में प्रमुख रूप से अश्वनी कुमार त्रिपाठी, इंद्रपाल वर्मा, क्षितिज मिश्रा, राजन मिश्रा, रजनीश मिश्रा, नईम अंसारी, आनंद मेहरोत्रा, आर.एन. सिंह, विजय अवस्थी, अनुग्रह गुप्ता, अनवर हबीब सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित रहे। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही इस विषय पर उचित कदम नहीं उठाए और सोनम वांगचुक से वार्ता नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

भक्ति और आस्था के महासंगम में निकली श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का दिया संदेश

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता जे एस मिश्रा

बेंगलुरु ओडिशा की गौरवशाली आध्यात्मिक परंपरा और सनातन संस्कृति के प्रतीक भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा का भव्य आयोजन रविवार को एचएसआर लेआउट (अगारा) स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। ₹जय जगन्नाथ₹ के गगनभेदी जयघोष, भजन-कीर्तन और शंखध्वनि से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दिव्य रथ के दर्शन कर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। प्रातःकाल विशेष पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरंभ हुए इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। सनातन मान्यता के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ के रथ को श्रद्धापूर्वक खींचना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए विश्व कल्याण, सामाजिक सद्भाव और मानवता के मंगल की प्रार्थना की।

रथ यात्रा में महिलाओं, युवाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों से सुसज्जित श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और संकीर्तन के माध्यम से पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण के साथ स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), कर्नाटक के उपाध्यक्ष श्री संजय सिंह ने भी श्रद्धापूर्वक रथ यात्रा में भाग लिया। उनके साथ श्री संजय सिंह उज्जैन एवं ओड़िया समाज के अनेक गणमान्य सदस्य और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन कर समाज में प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समरसता, सेवा और मानवता का महापर्व है। यह उत्सव हमें जाति, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सहयोग और सम्मान का भाव विकसित करने की प्रेरणा देता है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए दर्शन, सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा सहायता एवं प्रसाद वितरण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से सुनिश्चित की थीं। अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस आयोजन ने बेंगलुरु की सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर परिचय प्रस्तुत किया। श्रद्धा, सेवा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनी यह भव्य रथ यात्रा श्रद्धालुओं के हृदय में आध्यात्मिक उल्लास और भगवान श्री जगन्नाथ के प्रति अटूट आस्था की अमिट छाप छोड़ गई। श्रद्धालुओं ने अंत में भगवान से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और धर्म के मार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मारवाड़ी युवा मंच, बैंगलोर सेंट्रल ने गौ सेवा कर दिया सामाजिक सरोकार का संदेश

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता

बेंगलुरु। मारवाड़ी युवा मंच, बैंगलोर सेंट्रल की ओर से कोडाथी स्थित माधियम गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौ माता को हरा चारा एवं ताजी सब्ज़ियाँ

अर्पित की गईं तथा गौशाला परिसर में सेवा कार्य कर गौ संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष आयुष भीमसरिया एवं सचिव विष्णु गोपाल सिंघल की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर रिपुदमन चमड़िया, पूजा भोटिका, अंकुर केड़िया, पवन केजरीवाल, विनीत अग्रवाल, राहुल बंसल सहित अनेक सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गौ सेवा में योगदान दिया।

इस अवसर पर पदाधिकारियों ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच, बैंगलोर सेंट्रल समाज में सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। गौ सेवा जैसे आयोजनों के माध्यम से संगठन भारतीय संस्कृति, करुणा और मानवता के मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने भविष्य में भी गौ सेवा एवं समाजोपयोगी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने ₹गौ सेवा ही राष्ट्र सेवा है₹ का संदेश देते हुए समाज को सेवा और संवेदनशीलता के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

भाषा भारती

ಸ್ನೇಹವು ಜೀವನದ ಅಮೂಲ್ಯವಾದ ಸಂಪತ್ತು.
स्नेहवु जीवनद अमूल्यवाद संपत्तु।
मित्रता जीवन की अमूल्य संपत्ति है।
ನಿಜವಾದ ಸ್ನೇಹಿತನು ಯಾವಾಗಲೂ ನಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಇರುತ್ತಾನೆ.
निजवाद स्नेहितनु यावागलू नम्मोंदिगे इरुत्ताने।
सच्चा मित्र हमेशा हमारे साथ रहता है।
ಸಂಕಷ್ಟದ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸ್ನೇಹಿತನ ಸಹಾಯ ಅಮೂಲ್ಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
संकटद समयदल्लि स्नेहितन सहाय अमूल्यवागिरुत्तदे॥
कठिन समय में मित्र की सहायता अमूल्य होती है।
ಸ್ನೇಹವು ಪರಸ್ಪರ ನಂಬಿಕೆ ಮತ್ತು ಗೌರವದ ಮೇಲೆ ನಿಂತಿದೆ.
स्नेहवु परस्पर नंबिके मत्तु गौरवद मेले निंतिदे।
मित्रता आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित होती है।
ಉತ್ತಮ ಸ್ನೇಹವು ಜೀವನವನ್ನು ಸಂತೋಷದಿಂದ ತುಂಬಿಸುತ್ತದೆ.
उत्तम स्नेहवु जीवनवन्नु संतोषदिंद तुम्बिसुत्तदे।
अच्छी मित्रता जीवन को खुशियों से भर देती है।

डॉ.कविता
सहायक प्राध्यापक
डॉ. एन.एस.ए.एम.महाविद्यालय
निट्टे, कर्नाटक
5:46 pm

मन की निर्मलता: श्रीमद्भागवत और भगवद्गीता का आध्यात्मिक संदेश

श्रीमद्भागवत में कहा गया है कि राग-द्वेष एवं विषयासक्तिरहित व्यक्ति मन की निर्मलता को पा लेता है। मन के निर्मल होते ही प्रसन्नता मिलती है। मन की निर्मलता कारण है तथा प्रसन्नता उसका परिणाम है। श्रीमद्भागवत और भगवद्गीता के अनुसार, जो व्यक्ति सांसारिक मोह-माया, राग-द्वेष और विषयासक्ति से मुक्त हो जाता है, उसका मन स्वतः ही निर्मल हो जाता है। यह शुद्ध और शांत मन ही वास्तविक आध्यात्मिक शांति और ईश्वर की भक्ति का सच्चा आधार है।

श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है- प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते₹ अर्थात प्रसन्नचित व्यक्ति की बुद्धि स्थिर होती है, जैसे ही बुद्धि स्थिर होती है अर्थात मन एकाग्र होता है, वैसे ही समाधि लगने लगती है। जैसे ही समाधि लगती है, तो यथार्थ ज्ञान का स्रोत फूट पड़ता है, यह समाधिजन्य यथार्थ ज्ञान ही सच्चा अनुभवात्मक ज्ञान या समाधिप्रज्ञा कहलाता है। मनुष्य के दुखों का मूल कारण उसके भीतर छिपे हुए विकार हैं। श्रीमद्भागवत में यह स्पष्ट किया गया है कि जब तक मन में किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति के प्रति 'राग' (लगाव या आसक्ति) और 'द्वेष' (घृणा या बैर) रहेगा, तब तक मन कभी शांत और शुद्ध नहीं हो सकता। राग और द्वेष एक ही सिक्के के दो पहलू हैं–राग हमें अंधी वासना की ओर ले जाता है और द्वेष हमें नकारात्मकता में धकेलता है।

विषयासक्ति का अर्थ है सांसारिक सुखों, भौतिक पदार्थों और इंद्रिय-विषयों में अत्यधिक लिप्त रहना। जब मन निरंतर भौतिक सुखों का ही चिंतन करता है, तो उसमें वासनाएँ, लोभ और अहंकार जन्म लेते हैं? यह स्थिति मनुष्य को माया के चक्र में फंसा देती है और उसकी निर्णय लेने की क्षमता को दूषित कर देती है। श्रीमद्भागवत के अनुसार, मन की निर्मलता का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति संसार छोड़ कर भाग जाए। इसका सच्चा अर्थ लिप्त न होना है। जब साधक अपनी इंद्रियों को वश में करके निष्काम भाव से अपने कर्म करता है, तब उसका मन राग और द्वेष से मुक्त हो जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति संसार में रहता तो है, लेकिन संसार उसके भीतर नहीं रहता। मन की इसी अवस्था को 'चित्त शुद्धि' या मन की निर्मलता कहा जाता है। भागवत पुराण में केवल वैराग्य ही नहीं, बल्कि भगवान के प्रति अनन्य भक्ति को मन की निर्मलता का सबसे अचूक साधन माना गया है। जब मन सांसारिक विषयों से हटकर भगवान की लीलाओं और प्रेम में रम जाता है, तो सभी प्रकार के राग-द्वेष और विषयासक्तियाँ स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं।

इस ज्ञान के उत्पन्न होने पर राग के साथ बंधन टूट जाते हैं। जैसे ही वैराग्य के दृढ़ होने से राग के बंधन हटाते हैं, वैसे ही दुःखो से मुक्ति हो जाती है, यही मनुष्य की अंतिम मंजिल है। इसे ही मोक्ष कहते हैं। समाधि एवं मोक्ष तक पहुंचाने के लिए विषयासक्ति का त्याग, यम-नियम का पालन, आचरण का शोधन ही मूल आधार है। यह योग की नींव है। इसे अपनाने वाला व्यक्ति स्वयं तो निर्मलचित्त और शांत हो ही जाता है। सम्पूर्ण समाज, राष्ट्र व विश्व के लिए भी वह शांति का संदेशवाहक बन जाता है। इस प्रकार शुचिशील (पवित्र आचरण) से समाधि एवं समाधिजन्य प्रज्ञा की प्राप्ति होती है। इन्हें ही योग मार्ग में शील, समाधि एवं प्रज्ञा इन तीन स्तंभों के रूप में निरूपित किया जाता है। राग-द्वेष और विषयासक्ति से रहित व्यक्ति न केवल स्वयं को शांत और आनंदित रखता है, बल्कि उसका जीवन निष्काम सेवा और प्रेम से भर जाता है। इस अवस्था को प्राप्त करने के लिए आत्म-संयम, विवेक और निरंतर आध्यात्मिक अभ्यास की आवश्यकता होती है।

डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

सम्पूर्ण समाधान दिवस में गूंजा मुआवजे का मुद्दा

भूमि अधिग्रहण दर बढ़ाने की मांग, किसानों ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के मोहनलालगंज तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण का मुआवजा प्रमुख मुद्दा रहा। ग्राम विन्दौवा के किसानों ने कम मुआवजा दिए जाने का आरोप लगाते हुए और भूमि का पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग की। किसानों ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह को एक पत्र सौंपा। उनका आरोप है कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को आगरा एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि का मुआवजा वास्तविक बाजार कीमत से काफी कम है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह, एसडीएम आकाश सिंह और तहसीलदार ऋतुराज शुक्ला ने शिकायतें सुनीं। ग्राम विन्दौवा निवासी मालती नन्दन शुक्ला ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके गाटा संख्या 58 और 144 सहित गांव के कई किसानों की भूमि इस परियोजना के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा निर्धारित मुआवजा क्षेत्र की वास्तविक बाजार कीमत से काफी कम है, जिसके कारण गांव के लगभग 75 किसान अभी तक अपनी भूमि का बैनामा कराने को तैयार नहीं हुए हैं। किसानों का तर्क है कि विन्दौवा नगर पंचायत क्षेत्र में आता है और राष्ट्रीय राजमार्ग-4बी (रायबरेली मार्ग) से सटा हुआ है। इस कारण यहां की भूमि का मूल्य ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में अधिक है। इसके बावजूद मुआवजा ग्रामीण दरों के आधार पर तय किया जा रहा है। किसानों ने मांग की कि यदि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, तो उसका मुआवजा नगर क्षेत्र के मानकों के अनुरूप स्क्वायर मीटर के आधार पर निर्धारित किया जाए, ताकि उन्हें उनकी जमीन का उचित मूल्य मिल सके। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि मुआवजे की दरों पर पुनर्विचार नहीं किया गया, तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे। इस पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले की जांच कराने और नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

लुलु मॉल लखनऊ ने फोर एंड फैब्युलस थीम के साथ मनाई अपनी चौथी वर्षगांठ

लखनऊ (संवाददाता)। लुलु मॉल लखनऊ ने अपनी चौथी वर्षगांठ फोर एंड फैब्युलस थीम के साथ उत्साहपूर्वक मनाई। इस अवसर पर मॉल के रिटेल पार्टनर्स, आमंत्रित अतिथि और लुलु परिवार के सदस्य मौजूद रहे। यह समारोह पिछले चार वर्षों में लखनऊवासियों को बेहतरीन शॉपिंग, मनोरंजन और सामुदायिक अनुभव देने की सफल यात्रा का उत्सव था। समारोह की शुरूआत केक काटकर की गई, जिसमें लखनऊ के लोगों के विश्वास और लगातार मिले सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए जयकुमार गंगाधरन, निदेशक (उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली-एनसीआर), लुलु ग्रुप इंडिया ने पिछले चार वर्षों में लखनऊ के लोगों द्वारा दिए गए प्यार, विश्वास और सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अपने विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि समूह का लक्ष्य अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना, स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देना और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान देना है। साथ ही, लुलु ग्रुप आगे भी ग्राहकों को विश्वस्तरीय शॉपिंग, मनोरंजन और बेहतरीन सेवाओं का अनुभव देता रहेगा। शाम का मुख्य आकर्षण लुलु रिटेलर्स अवॉर्ड्स 2026 रहा, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रिटेलर्स को सम्मानित किया गया। कुल 27 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, जिनके विजेताओं का चयन लखनऊ के लोगों द्वारा की गई पब्लिक वोटिंग के आधार पर हुआ। यूनिकॉर्न, यूनिक्लो, लुई फिलिप, नायका लक्स सहित कई प्रमुख ब्रांड्स को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर (यूपी, तेलंगाना, दिल्ली एवं एनसीआर), लुलु लखनऊ ने लखनऊ के लोगों, रिटेल पार्टनर्स, कर्मचारियों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों की इस सफल यात्रा में सभी का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। अपने उद्घाटन के बाद से ही लुलु मॉल लखनऊ शहर के सबसे पसंदीदा शॉपिंग और फैमिली डेस्टिनेशन में से एक बन चुका है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में 5 एसडीएम के ट्रांसफर,आईएएस साहिल सिंह बने एसडीएम सदर

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ डीएम विशाख जी. अय्यर ने 5 एसडीएम का ट्रांसफर किया है। दूसरे विभागों,जिलों से आए अधिकारियों को भी चार्ज दिया है। एसडीएम सदर मनोज कुमार सिंह को मलिहाबाद का एसडीएम बना दिया गया है। वहीं, सदर की जिम्मेदारी आईएएस साहिल सिंह को दी गई है। साहिल बीकेटी के एसडीएम थे। लखनऊ नगर निगम से पदोन्नत होकर जिला प्रशासन पहुंचे आकाश सिंह को बीकेटी का एसडीएम बनाया गया है। प्रयागराज सदर से आए अभिषेक कुमार सिंह को सरोजनी नगर की जिम्मेदारी दी है। सरोजनी नगर की जिम्मेदारी संभाल रहे अंकित शुक्ला को एसीएम-5 का चार्ज मिला है। मंझनपुर (कौशाम्बी) से आए एसडीएम आकाश सिंह को मोहनलालगंज दिया गया है। पीसीएस रामदेव और प्रदीप कुमार नई जॉइनिंग वाले हैं। इन्हें क्रमशः एसीएम-1 और एसीएम-3 का चार्ज दिया गया है।

गोमती में कूदा रैपिडो चालक,8 घंटे तक सर्च ऑपरेशन के बाद मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र में शनिवार तड़के एक 26 साल के युवक ने पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब आठ घंटे बाद सुबह 11 बजे युवक का शव नदी से बरामद कर लिया गया। राधापुरम कॉलोनी मटियारी चिनहट निवासी आकाश यादव (26) रैपिडो चालक था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आकाश अपनी बहन के साथ विभूतिखंड स्थित जलवा क्लब से पार्टी कर लौट रहा था। दोनों समतामूलक चौराहे से 1090 चौराहे की तरफ जाने वाले गोमती नदी पुल पर रुके थे। इस दौरान किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। तभी आकाश ने अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दी। घटना की सूचना शनिवार तड़के करीब 3 बजे गोमतीनगर पुलिस को मिली। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ टीम को बुलाकर सर्च अभियान शुरू कराया। लगातार तलाश के बाद सुबह करीब 11 बजे युवक का शव नदी से बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, युवक के नदी में कूदने के कारणों की जांच की जा रही है।

दलित छात्रा ललिता गौतम के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री, घटना पर जताया दुःख,बोले, दोषी बचेंगे नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ की दिवंगत दलित छात्रा ललिता गौतम के परिजनों से गाजियाबाद स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में मुलाकात कर घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इस जघन्य अपराध के प्रत्येक दोषी के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई की जाएगी तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में कोई कमी नहीं रहेगी।मुख्यमंत्री ने प्रकरण की विवेचना में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को अभियोजन की प्रभावी पैरवी करते हुए दोषियों को कठोरतम दंड दिलाने के लिए विधिक कदम उठाने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 5 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मृतका के पिता तथा परिवार के एक अन्य सदस्य को मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पीड़ित परिवार को आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड सहित सभी पात्र लाभार्थीपरक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि परिवार को हरसंभव सहयोग मिल सके।इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री एवं मेरठ के प्रभारी मंत्री असीम अरुण सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुपम मिश्रा बने रालोद के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जयंत चौधरी के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश का कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है।मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी के मुताबिक मनोनयन विधानसभा चुनावों की दृष्टि से संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संगठन में मेहनत, लगन, निष्ठा और कार्यकुशलता के आधार पर ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं।

मऊ में माफियागिरी और अवैध वसूली नही चलेगी-शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ में आपराधिक वसूली गैंग, भूमाफियाओं, राजनीतिक संरक्षण में पनप रही अवैध गतिविधियों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि ऐसे तत्वों के विरुद्ध प्रभावी, निष्पक्ष एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनपद में कानून का राज कायम रहे और किसी भी प्रकार की माफियागिरी दोबारा पनपने न पाए। श्री शर्मा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति अथवा गिरोह को कानून अपने हाथ में लेने, अवैध वसूली करने, भूमि पर अवैध कब्जा करने अथवा भय और दबाव का वातावरण बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमृतवाणी

मोकों कहाँ ढूंढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में।

कबीर कहते हैं कि हे मनुष्य! तुम मुझे कहाँ ढूँढ रहे हो? मैं तो बिल्कुल तुम्हारे पास में हूँ। न मैं किसी मंदिर (देवल) में रहता हूँ, न मस्जिद में, न ही काबा या कैलाश जैसे तीर्थस्थलों में। ईश्वर कहते हैं कि मैं न तो किसी कर्मकांड (पूजा-पाठ) से मिलता हूँ, और न ही वैराग्य या योग साधना से। यदि कोई सच्चे मन से खोजने वाला (खोजी) हो, तो मैं उसे पल भर की तलाश में मिल सकता हूँ। अंत में कबीर कहते हैं कि ईश्वर तो हर सांस लेने वाले प्राणी की श्वास में समाए हुए हैं।

(कबीरवाणी)
डॉ.एस.ए.मंजुनाथ
प्रोफेसर एवं पत्रकार

सम्पादकीय

सौर ऊर्जा की अनूठी पहल

ओडिशा के बरगढ़ जिले में सौलर ऊर्जा के लिए, एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ पात्र सालों से अंधेरे में दीपक जलाने का काम कर रहे हैं। वे ऐसे दुर्गम व जरूरतमंद इलाकों में सौलर ऊर्जा की ज्योति जला रहे हैं, जहां लोग बिजली नहीं होने से परेशान थे। आज इस कॉलम में सौर ऊर्जा की पहल पर बात करना चाहूंगा, जिससे वैकल्पिक ऊर्जा की अच्छी समझ बन सके। अमिताभ पात्र धुन के पक्के हैं। वे सामाजिक कार्यकर्ताओं के परिवार से आते हैं। उनके नाना, अलेख पात्र प्रसिद्ध सर्वोदयी थे। उन्होंने कई रचनात्मक काम किए, और प्राकृतिक खेती में मिसाल पेश की। 90 के दशक की शुरूआत में मुझे भी उनके कृषि फार्म पर जाने और उनसे मिलने का मौका मिला था। मैंने उनके साथ कुछ दिन गुजारे थे और ताजी जैविक सब्जियों का स्वाद चखा था। सामाजिक क्षेत्र में आने के लिए, अमिताभ उनको ही श्रेय देते हैं। उनका बचपन पाईकमाल स्थित निसर्ग निवास में ही बीता है, जो उनके नाना अलेख पात्र का कृषि फार्म व आवास स्थल था। निसर्ग निवास ही अमिताभ की खेलभूमि और शिक्षण शाला रही है। गंदमार्दन पहाड़ की तलहटी में स्थित प्रसिद्ध नृसिंहनाथ मंदिर के पास ही यह स्थान है। प्रकृति की गोद में बसा यह इलाका प्राकृतिक रूप से बहुत ही खूबसूरत है। इस पहाड़ में कई झरने हैं और औषधीय पेड़-पौधों का भंडार है। बचपन में ही वैकल्पिक ऊर्जा से उनका परिचय इसी परिसर में हुआ, जो अब मिशन बन गया। यहां गोबर गैस प्लांट था, जिससे भोजन बनता था और बल्ब जलते थे। उनके जीवन में एक मोड़ जब आया तब वे सैम पित्रोदा से मिले। यह वर्ष 2010 की बात है। दिल्ली में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय वैकल्पिक ऊर्जा समारोह के दौरान सैम पित्रोदा से उनकी मुलाकात हुई। वहां बातचीत करने का मौका मिला और उनसे प्रभावित होकर बाद से वे सौर ऊर्जा के काम में जुट गए। ओडिशा वापस लौटकर उन्होंने कुछ विस्थापित गांवों में सौर पैनल लगवाए और जिन्होंने पूर्व से सौलर पैनल लगवाए थे, उनके रखरखाव और मरम्मत में मदद की। और उसके बाद से लगातार यह सिलसिला चल रहा है। वे बताते हैं कि सौर ऊर्जा बहुत उपयोगी है। इससे बिजली निर्माण करना, पानी गरम करना, मोटर पंप चलाना, फ्रिज चलाना, बल्ब जलाना, पंखे चलाना इत्यादि सभी काम किए जा सकते हैं और यह सब भी सस्ते दामों में संभव है। ये तीन तरह के होते हैं- ऑन ग्रिड, ऑफ ग्रिड और हाइब्रिड। इनमें से ग्राहकों के लिए हाइब्रिड सबसे उपयुक्त होती है, क्योंकि इस तकनीक ग्रिड न रहने पर भी बिजली की आपूर्ति बनी रहती है। और बची हुई उत्पादित ऊर्जा वापस ग्रिड में बेची जाती है। उन्होंने बताया कि हीराकुंड बांध से कुछ विस्थापित गांवों में बिजली की समस्या थी, तब कुछ साल पहले उन्होंने वहां सौर ऊर्जा के छोटे- बड़े पैनल लगवाए थे, जिससे उस गांव में रोशनी पहुंची थी। यह गांव डेब्रीगढ़ अभयारण्य के अंदर है। इसमें जो भी खर्च आया, उन्होंने खुद व उनके साथियों ने वहन किया था। बाद में सरकार ने सभी परिवारों के लिए सौर ऊर्जा सिस्टम लगवाए। मुझे उन्होंने कुछ स्थानों के सौर पैनल दिखाए, जिसमें बरगढ़ जिले के भेड़न प्रखंड के सहरा टीकरा गांव का अरविंदो स्कूल (ऑरोविहार स्कूल) भी था। वहां 9 सौर पैनल लगे थे। यहां सौर ऊर्जा से 2 ट्यूबवेल, बल्ब, पंखे चलते हैं। अब लगातार आपूर्ति बनी रहती है, और बिजली बिल भी नहीं आता है। यहां के देखभालकर्ता रविन्द्र बंछोर ने बताया कि पहले यहां तीन कनेक्शन थे, इनका करीब 20 हजार बिजली बिल आता था। बार-बार बिजली गुल व कम वोल्टेज की समस्या लगी रहती थी, इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती थी। बिजली न होने की स्थिति में हम जनरेटर चलाते थे, जिसमें करीब 2000 रुपए का डीजल जल जाता था। इसके अलावा, ध्वनि व वायु प्रदूषण होता था। सोलर लगने से जनरेटर का इस्तेमाल लगभग खत्म हो गया है। वे आगे बताते हैं कि हमें सौर पैनल लगाने में 3 लाख रूपए का खर्च आया। 2 वर्ष हो गए हैं। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। यह एक आवासीय स्कूल है, जहां करीब सौ विद्यार्थी रहते हैं। वैसे नर्सरी से लेकर 10 वीं कक्षा तक 300 छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। जिस दिन हम इस स्कूल में गए थे, उस दिन रविवार था। संयोग से बिजली गुल थी, पर सभी काम निर्धारित समय पर हुए। कोई दिक्कत नहीं हुई। ऑनलाइन डिजीटल कक्षाएं भी चल रही थीं। बरगढ़ शहर में डॉ.देवाशीष त्रिपाठी का सौलर पैनल भी देखा, जो करीब 8 साल से चल रहा है। यहां 3 किलोवाट का सौलर पैनल है। देवाशीष त्रिपाठी ने बताया कि उनके घर सौर ऊर्जा से सभी काम होते हैं। बोरवेल पंप चलता है, बल्ब जलते हैं, और पंखे चलते हैं। फ्रिज व मिक्सर वगैरह सभी चलते हैं। बिजली बिल काफी कम आता है। खंभे ग्रिड की बिजली रहे न रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसी प्रकार, हम एक बरमकेला रोड पर स्थित आयन सत्या ढाबे पर गए, यह ढाबा भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करता है। यहां 5 किलोवाट का सौलर पैनल है। इससे 2 फ्रिज, बिजली मोटर पंप, बल्ब और पंखे चलते हैं। यहां बड़े बल्ब और सीसीटीवी कैमरे भी सौर ऊर्जा से चल रहे हैं।

गाजियाबाद के मुरादनगर में विपक्षियों पर गरजें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 जुलाई 2026 की सांय लगभग 4.30 बजे मुरादनगर के ॒तेजपाल सिंह त्यागी कुशल पाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज॒ में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण किया। भारतीय जनता पार्टी के मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने अपने पिता की स्वर्णिम अनमोल यादों को संजोने के लिए एक भव्य अनावरण समारोह का आयोजन किया। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ?868 करोड़ से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पंहुच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। यहां आपको बता दें कि लोकप्रिय जननेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी किसी परिचय व सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी निर्भीक, बेबाक, जनसेवा सर्वोपरि वाली

प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ?868 करोड़ से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पंहुच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। यहां आपको बता दें कि लोकप्रिय जननेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी किसी परिचय व सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी निर्भीक, बेबाक, जनसेवा सर्वोपरि वाली कार्यशैली के दम पर जनता की अदालत में जीवन पर्यन्त विशेष प्रेम पाते हुए विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने का कार्य किया था। राजपाल त्यागी ने अपने द्वारा किये गये विकास कार्यों के दम पर जनता की अदालत में जीवित रहते हुए ही ॒विकास पुरुष॒ का खिताब हासिल करने का कार्य कर लिया था, जोकि सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ी अनमोल उपलब्धि थी। राजपाल त्यागी ने जीवन पथ पर आम जनमानस के बीच व राजनीतिक गलियारों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए सफल राजनेता बनने का मुकाम बखूबी हासिल किया था, जो किसी भी राजनेता को बहुत ही मुश्किल से हासिल होता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की लोकप्रिय का आलम यह था कि वह मुरादनगर विधानसभा से कांग्रेस, सपा व बसपा के टिकट के साथ-साथ निर्दलीय के रूप में छह बार विधायक चुने गए थे। 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद 18 जुलाई 2025 को जब राजपाल त्यागी का निधन हो गया था, तो उस वक्त खराब मौसम व कांवड़ यात्रा में रास्ते बंद होने के बावजूद भी उनको अंतिम विदाई देने के लिए हिंडन श्मशान घाट पर भारी संख्या में जन सैलाव उमड़ पड़ा था। पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की खूबी थी कि वह अपने राजनीतिक सफर में केवल चुनावों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित कर रखा था। उनकी सबसे बड़ी खूबी थी वह क्षेत्र के अधिकतर लोगों को नाम से जानते थे और वह अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर के आगे खड़े नजर आते थे, कोई भी व्यक्ति जब उनकी चौखट पर किसी कार्य को लेकर आता था तो वह कभी भी निराश होकर वापस नहीं आता था। आम जनमानस के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह मुरादनगर क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के रूप तक में भी चुनें जाते थे, वह एक व्यवहार कुशल, विकास पुरुष जननेता के रूप में लोगों को याद आते हैं।

कार्यशैली के दम पर जनता की अदालत में जीवन पर्यन्त विशेष प्रेम पाते हुए विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने का कार्य किया था। राजपाल त्यागी ने अपने द्वारा किये गये विकास कार्यों के दम पर जनता की अदालत में जीवित रहते हुए ही ॒विकास पुरुष॒ का खिताब हासिल करने का कार्य कर लिया था, जोकि सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ी अनमोल उपलब्धि थी। राजपाल त्यागी ने जीवन पथ पर आम जनमानस के बीच व राजनीतिक गलियारों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए सफल राजनेता बनने का मुकाम बखूबी हासिल किया था, जो किसी भी राजनेता को बहुत ही मुश्किल से हासिल होता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की लोकप्रिय का आलम यह था कि वह मुरादनगर विधानसभा से कांग्रेस, सपा व बसपा के टिकट के साथ-साथ निर्दलीय के रूप में छह बार विधायक चुने गए थे। 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद 18 जुलाई 2025 को जब राजपाल त्यागी का निधन हो गया था, तो उस वक्त खराब मौसम व कांवड़ यात्रा में रास्ते बंद होने के बावजूद भी उनको अंतिम विदाई देने के लिए हिंडन श्मशान घाट पर भारी संख्या में जन सैलाव उमड़ पड़ा था। पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की खूबी थी कि वह अपने राजनीतिक सफर में केवल चुनावों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित कर रखा था। उनकी सबसे बड़ी खूबी थी वह क्षेत्र के अधिकतर लोगों को नाम से जानते थे और वह अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर के आगे खड़े नजर आते थे, कोई भी व्यक्ति जब उनकी चौखट पर किसी कार्य को लेकर आता था तो वह कभी भी निराश होकर वापस नहीं आता था। आम जनमानस के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह मुरादनगर क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के रूप तक में भी चुनें जाते थे, वह एक व्यवहार कुशल, विकास पुरुष जननेता के रूप में लोगों को याद आते हैं। वह क्षेत्र में राजनीति के पुरोधा माने जाते हैं, क्षेत्र की आम जनता के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र से वह 6 बार विधायक चुने गए थे और अपनी लोकप्रियता व कार्यों के दम पर वह उत्तर सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बने। वहीं आज के संदर्भ में अहम बात यह है कि फिलहाल मुरादनगर से भारतीय जनता पार्टी से राजपाल त्यागी के छोटे बेटे अजीत पाल त्यागी लगातार दो बार से विधायक हैं, वह भी अपने पिता राजपाल त्यागी के नक्शे कदम पर चलते हुए उनके विचारों को संजोने का कार्य बखूबी करते हुए अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य भी बखूबी कर रहे हैं। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर स्वर्गीय राजपाल त्यागी के भाई यशपाल त्यागी, पुत्र गिरीश त्यागी, पुत्र अजीत पाल त्यागी, भतीजे राजीव त्यागी व अभिषेक त्यागी व अन्य सभी परिजन, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रतिमा अनावरण व जनसभा के कार्यक्रम में मंत्री सुनील कुमार शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, मेयर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता बसंत त्यागी, सांसद अतुल गर्ग, सांसद राजकुमार सांगवान, विधायक मंजू सिवाच, विधायक नंद किशोर गुर्जर, विधायक संजीव शर्मा, एमएलसी दिनेश गोयल, पूर्व सांसद रमेश चंद्र तौमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह गुर्जर व बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि, राजनेता, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य लोगों व हजारों की संख्या में राजपाल त्यागी के प्रशंसक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मानसून नहीं, शहरों की व्यवस्था समस्या है

राजेंद्र रवि

हर मानसून में भारत के शहर एक जैसी कहानी दोहराते हैं। तेज बारिश की पहली बौछार पड़ते ही सड़कें पानी में डूब जाती हैं, लोग घंटों जाम में फंसे रहते हैं, वाहन खराब हो जाते हैं और सोशल मीडिया जलमग्न सड़कों, उफनती नालियों तथा धंसती सड़कों की तस्वीरों से भर जाता है। पानी उतरने के बाद सरकारें जांच के आदेश देती हैं, संबंधित एजेंसियां सुधार के वादे करती हैं और अस्थायी मरम्मत शुरू हो जाती है, लेकिन अगले मानसून तक वही स्थिति फिर सामने आ जाती है। हाल ही में दिल्ली-एनसीआर (नेशनल केपिटल रीजन) में हुई भारी वर्षा ने एक बार फिर भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। दिल्ली में प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और अनेक रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। गुरुग्राम- जो वर्षों से मानसून के दौरान जलभराव के लिए कुख्यात रहा है-में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, हीरो होंडा चौक और सोहना रोड जैसे प्रमुख मार्ग पानी में डूब गए, जिससे देश के प्रमुख कॉर्पोरेट केंद्रों में से एक लगभग ठहर गया। नोएडा में अंडरपास जलमग्न हो गए, नालियां उफनने लगीं और भीषण जाम लग गया। वहीं गाजियाबाद और फरीदाबाद में कई कॉलोनियां पानी में डूब गईं, सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं और लोगों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हुई। एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश के बाद सड़कें धंस गईं, जिसने केवल निर्माण की खामियों को ही नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, इंजीनियरिंग और रखरखाव की गहरी संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। ये बार-बार होने वाली विफलताएं केवल असामान्य रूप से अधिक वर्षा का परिणाम नहीं हैं। ये इस बात के संकेत हैं कि भारतीय शहरों की योजना, शासन व्यवस्था, वित्तपोषण और रखरखाव की पूरी प्रणाली में गंभीर संरचनात्मक कमियां मौजूद हैं। अब बहस इस बात पर नहीं रह गई है कि जलवायु परिवर्तन अत्यधिक वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ा रहा है या नहीं- यह निर्विवाद सत्य है। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हमारे शहर इस नई जलवायु वास्तविकता के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त गति से ढाल पा रहे हैं? उपलब्ध साक्ष्य बताते हैं कि ऐसा नहीं हो रहा है। भारत के अधिकांश शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण उन ऐतिहासिक वर्षा पैटर्न के आधार पर किया गया था, जो आज की जलवायु परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर, तीव्र शहरीकरण ने मिट्टी और हरित क्षेत्रों की जगह कांक्रीट बिछा दिया है, जिससे भूजल का पुनर्भरण कम हुआ है और वर्षा जल का बहाव कई गुना बढ़ गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में झीलें, आर्द्रभूमियां, गांवों के तालाब और प्राकृतिक जल-निकासी मार्ग या तो अंधाधुंध शहरी विस्तार की भेंट चढ़ गए हैं या फिर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं कि वे अपना प्राकृतिक कार्य नहीं कर पा रहे हैं। जो पानी पहले प्राकृतिक रूप से बाढ़ क्षेत्रों में फैल जाता था, वह अब घनी आबादी वाले कांक्रीट के जंगलों में फंस जाता है। नतीजा स्पष्ट है- जब भारी बारिश होती है तो पानी के निकलने के लिए कोई जगह नहीं बचती। फिर भी केवल जलवायु परिवर्तन यह नहीं समझा सकता कि हर वर्ष वही दृश्य क्यों दोहराए जाते हैं। इसके लिए शासन व्यवस्था की विफलताएं भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। एनसीआर संस्थागत विखंडन का एक स्पष्ट उदाहरण है। केवल दिल्ली में ही नगर निगम, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली जल बोर्ड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) तथा कई अन्य एजेंसियां शहरी बुनियादी ढांचे के अलग-अलग हिस्सों की जिम्मेदारी संभालती हैं। दिल्ली के बाहर गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद अलग-अलग नगर निकायों, विकास प्राधिकरणों और राज्य सरकारों के विभागों द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन वर्षा का पानी प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानता। इसके परिणाम हर जगह दिखाई देते हैं। सड़कों का पुनर्निर्माण भूमिगत उपयोगिताओं के साथ समन्वय किए बिना कर दिया जाता है। नालियां आगे के बड़े जल निकासी नेटवर्क से जुड़े बिना ही समाप्त हो जाती हैं। बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं व्यापक जल-विज्ञान (हाइड्रोलॉजी) अध्ययन के बिना शुरू कर दी जाती हैं। रखरखाव की जिम्मेदारियां कई एजेंसियों में बंटी होने के कारण बाढ़ आने पर जवाबदेही भी बिखर जाती है। भारत के शहरी बुनियादी ढांचे की सबसे कमजोर कड़ी उसका रखरखाव है। राजनीतिक प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से एक्सप्रेस वे, फ्लाईओवर, मेट्रो विस्तार और स्मार्ट सिटी जैसी दिखाई देने वाली परियोजनाओं पर केंद्रित रहती हैं। इसके विपरीत मानसून से पहले नालों की सफाई, रिटेनिंग वॉल की जांच, पुलियों की मरम्मत, भूमिगत उपयोगिताओं का मानचित्रण और पुराने हो चुके बुनियादी ढांचे की नियमित निगरानी जैसे कम आकर्षक लेकिन अत्यंत आवश्यक कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुई सड़क धंसने की घटनाएं इसी उपेक्षा का परिणाम हैं। सड़कें किसी एक बारिश से नहीं धंसतीं। ऐसी घटनाएं आमतौर पर वर्षों से पाइपलाइन रिसाव, ठीक से न दबाई गई मिट्टी, पुराने उपयोगिता नेटवर्क, अपर्याप्त जल निकासी या बार-बार खुदाई के बाद उचित पुनर्स्थापन न होने के कारण सतह के नीचे जमा होती कमजोरियों का परिणाम होती हैं।

अफसरशाही की जवाबदेही तय करना जरूरी

जगदीश रत्तनानी

उत्तर प्रदेश के मेरठ में घ्जिला पुलिस प्रमुख के एक वीडियो के सामने आने के बाद दलितों का बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया है। इस वीडियो में वे पुलिस वैन में एक वकील और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को पीटते हुए दिख रहे हैं। ये प्रदर्शनकारी एक 20 साल की लड़की की हत्या की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे थे। 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी अविनाश पांडे की यह शर्मनाक और आपराधिक हरकत दिखाती है कि भारत की प्रमुख प्रशासनिक सेवाएं कई स्तरों पर देश को निराश कर रही हैं। वैसे यह कोई अकेली घटना नहीं है जो प्रशासन की सड़ी-गली, बदसलूकी वाली और जमीनी हकीकत से कटी हुई कार्यशैली को दिखाती हो। समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं जो प्रशासनिक सेवाओं के शीर्ष स्तर को एक ऐसे खास वर्ग के रूप में दिखाती हैं जिसने सत्ता के दुरुपयोग और सरकारी तंत्र के शोषण को सामान्य मान लिया है। मेरठ का मामला यह सवाल खड़ा करता है कि ऐसे व्यक्ति को नौकरी पर कैसे रखा गया और फिर उसे मेडल और अहम जिम्मेदारी कैसे दी गई? हमें ऐसे मामलों में मिलने वाले राजनीतिक संरक्षण पर तो सवाल उठाने ही चाहिए, साथ ही वरिष्ठ अफसरों की भर्ती, नियुक्ति, प्रमोशन और सुपरविजन की पूरी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाने चाहिए। देश को उन धारणाओं को चुनौती देनी चाहिए जिन्होंने सिविल सर्विस को शशासन का स्टील फ्रेमश और इसकी 100 साल पुरानी भर्ती करने वाली संस्था- संघ लोक सेवा आयोग (यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन) को

इसका श्संरक्षकश मानने की सोच को मजबूत किया है। एक जटिल और लंबे समय से चल रहे सिस्टम को बदलना मुश्किलों भरा काम है। खासकर जब ब्यूरोक्रेसी के राजनीतिकरण को लेकर नई चिंताएं हों। ये चिंताएं श्लेटरल एंट्रीश व्यवस्था पर हुई बहस में साफ दिखीं। सरकार ने 2024 में इसकी घोषणा की थी परन्तु बाद में आरक्षण कोटे को दरकिनार करने पर हुए जायज हंगामे के कारण इसे वापस ले लिया गया। यह एक अमेरिकी मॉडल है जिसमें चुनाव जीतने वाला नेता प्रशासन में अपने समर्थकों को नियुक्त करता है। कहा जा रहा है कि एक नई लेटरल एंट्री पॉलिसी तैयार की जा रही है। इसे आरक्षण की रक्षा करनी होगी और तथाकथित श्स्पॉइल्स सिस्टमश के जाल में फंसने से बचना होगा। लेटरल एंट्री केंद्र सरकार की एक विशेष भर्ती प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी विशेषज्ञों को बिना पारंपरिक यूपीएससी परीक्षा दिए सीधे सरकारी विभागों में उच्च पदों पर नियुक्त किया जाता है। इसके तहत मुख्य रूप से संयुक्त सचिव, निदेशक और उप-सचिव जैसे वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर भर्तियां की जाती हैं। जाहिर है, भारत राजनीतिक ब्यूरोक्रेसी का जोखिम नहीं उठा सकता। हालांकि कुछ लोग तर्क देंगे कि हाल के वर्षों में अहम पदों का पहले ही काफी हद तक राजनीतिकरण हो चुका है। इन सब बातों को देखते हुए सुधारों पर एक व्यापक राजनीतिक सहमति अभी भी बन सकती है। एक तरफ तो सावधानी से बनाई गई नीति के जरिए नए सदस्यों को सीधे भर्ती (लेटरल एंट्री)करना एक तरीका है वहीं दूसरी तरफ सिस्टम में मौजूद उन लोगों को हटाना भी उतना ही जरूरी है जिन्होंने साफ तौर पर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है- जैसा कि मेरठ का मामला जो इन दिनों सुर्खियों में है। आज प्रशासन के ऊपरी स्तर का मतलब है लगभग असीमित शक्तियों वाले एक क्लब की स्थायी सदस्यता। हालांकि 2014 से भ्रष्टाचार के आरोप में लगभग 400 लोगों को नौकरी से निकाला गया है। यह फरवरी 2026 तक कुल 10,171आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की संख्या का 4 प्रतिशत से भी कम है। ज्यादातर अधिकारी रिटायरमेंट तक नौकरी करते रहते हैं जो कि गैर-सरकारी क्षेत्र में बहुत कम देखने को मिलता है। शक्तिशाली पदों पर कम निगरानी के साथ लगातार नौकरी मिलने का वादा गलत तरह के उम्मीदवारों को आकर्षित करता है और उन्हें बनाए रखता हैय ये ज्यादातर ऐसे लोग होते हैं जो जोखिम नहीं लेना चाहते और बदलते दौर में जहां नए विचारों और इनपुट की जरूरत है- जीवन भर की सुरक्षा की तलाश में रहते हैं। यूपीएससी के माध्यम से शीर्ष स्तर पर होने वाली भर्तियों के लिए जीवन भर की नौकरी (स्थायी सेवा) की पेशकश करने की आवश्यकता नहीं है, जिसमें पदोन्नति राजनीतिक दबावों से पूरी तरह सुरक्षित होती है। ठीक उसी तरह और उसी सीमा तक जैसा कि वर्तमान भर्ती प्रणाली में है। श्अग्निवीरश से प्रेरित एक ऐसा ढांचा जो शुरूआती नियुक्तियों को एक निश्चित अल्पकालिक कार्यकाल तक सीमित करता है और सेवा विस्तार के लिए मध्य-कैरियर में कड़े मूल्यांकन का प्रावधान करता है, सीमा पर तैनात सैनिकों की तुलना में वरिष्ठ नौकरशाहों के लिए कहीं अधिक आवश्यक है।

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरूआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- ह्यमेक इन इंडियाह्न की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही

है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के ह्यनेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशनह्न को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवीकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। निस्संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवीकरणीय ऊर्जा के नये स्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे प्रयास हों कि तकनीक व अन्य संसाधनों के मामले में मेक इन इंडिया के लक्ष्यों की प्राथमिकता पर ध्यान दें।

स्ट्रोक से लेकर हाई कोलेस्ट्रॉल तक, आंखों में बदलाव से जान सकते हैं अपनी बीमारी का खतरा

स्वस्थ आंखें हमें दुनिया के खूबसूरत नजारे देखने में मदद करती हैं। कहा जाता है कि आंखें आत्मा का आईना होती हैं, लेकिन सच तो यह भी है कि ये आपके शरीर के स्वास्थ्य का भी आईना है। मतलब कई बार जो बीमारी शरीर के अंदर ही अंदर पनप रही होती है, उसका संकेत आंखों में दिख जाता है। यही वजह है कि डॉक्टर कहते हैं कि अगर आंखों में किसी प्रकार का कोई असामान्य बदलाव नजर आए तो इसे हल्के में न लें। शोध बताते हैं कि आंखों में अचानक धुंधलापन आना, पीलापन, सूजन या लालिमा सिर्फ आंखों की समस्या नहीं, बल्कि कई बार गंभीर बीमारियों की ओर इशारा भी हो सकती है। इसी से संबंधित साल 2023 में अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि 25% से ज्यादा मामलों में आंखों की जांच के दौरान डॉक्टरों ने शरीर में पनप रही बीमारियों का अंदाजा लगाया। यानी आंखें सिर्फ देखने का काम नहीं करतीं, बल्कि शरीर की छिपी हुई परेशानियों को लेकर भी आपको सावधान करती हैं। अगर आप इन संकेतों को समय रहते पहचान लें तो कई बड़ी बीमारियों से बचाव संभव है।

आंखें बताती हैं शरीर में बढ़ रही बीमारियों का लक्षण

एक अध्ययन के अनुसार, मधुमेह और उच्च रक्तचाप से लेकर कोलेस्ट्रॉल संबंधी विकार, ऑटो इम्यून डिजीज और यहां तक कि घातक कैंसर तक के संकेत भी आंखों में नजर आ सकते हैं। उदाहरण के तौर पर आंखों के सफेद हिस्से (स्क्लेरा) का पीला होना लिवर की समस्या या पीलिया का संकेत हो सकता है। इसी तरह से अचानक धुंधली दिखने लगना डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर का लक्षण हो सकता है। यदि आपके आंखों के आसपास सूजन है तो किडनी से जुड़ी परेशानी का संकेत हो सकती है। वहीं आंखों के ऊपर वाले हिस्से पर पीले रंग का उभार बताता है कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ गया है जिसे तुरंत कंट्रोल में करने के प्रयास शुरू कर देने चाहिए।

आंखों में पीलापन लिवर की बीमारी का संकेत

जब हमारी आंखों का सफेद हिस्सा (स्क्लेरा) पीला दिखने लगता है तो इसे जॉन्डिस या पीलिया रोग का लक्षण माना जाता है। यह सीधे-सीधे लिवर की सेहत से जुड़ा संकेत है। हमारे शरीर में एक पीला पिगमेंट बिलीरुबिन बनता है। ये रेड ब्लड सेल्स (आरबीसी) के ब्रेकडाउन से बनता है। सामान्य स्थिति में लिवर इस बिलीरुबिन शरीर से बाहर निकाल देता है। लेकिन अगर लिवर सही से काम न करे तो यह पिगमेंट खून में जमा होने लगता है। इसका असर सबसे पहले आंखों और त्वचा पर दिखता है, जिसके कारण रंग पीला नजरआने लगता है। लिवर की सूजन होने पर बिलीरुबिन बाहर नहीं निकल निकल पाता, इसी तरह फैटी लिवर के शिकार लोगों में भी बार-बार पीलिया की समस्या देखी जाती रही है। इसे अनदेखा न करें।

आंखें बताती हैं बढ़ गया है कोलेस्ट्रॉल

अगर आपके ब्लड कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी सामान्य से अधिक बना रहता है तो इसका भी असर आंखों में दिख सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल आपकी दृष्टि को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, जिससे आपके लिए धीरे-धीरे देखना बेहद मुश्किल हो जाता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि हाई कोलेस्ट्रॉल का असर सिर्फ दिल और ब्लड प्रेशर पर पड़ता है, लेकिन इसके संकेत आंखों में भी दिख सकते हैं। अगर पलकों या आंखों के आसपास पीले-पीले मोटे धब्बे दिखने लगें तो यह कोलेस्ट्रॉल जमा होने का संकेत है। एक अध्ययन में बताया गया कि जिन लोगों की पलकों पर ऐसे धब्बे थे, उनमें से 50% से ज्यादा का कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य पाया गया।

आंखों से हो सकती है स्ट्रोक की पहचान

स्ट्रोक सिर्फ दिमाग को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसके शुरूआती संकेत आंखों में भी दिखाई दे सकते हैं। कई बार स्ट्रोक के मरीजों को सबसे पहले दृष्टि में बदलाव महसूस होता है। स्ट्रोक के दौरान दिमाग तक खून की सप्लाई रुक जाती है। इसका असर आंखों की नसों और रेटिना तक भी पहुंचता है जिसके कारण अचानक धुंधलापन या आंखों के सामने धुंध जैसा दिखने लगता है। स्ट्रोक से पीड़ित लोगों में कई बार लकवा के कारण एक आंख से दिखना बंद हो जाता है और आंखों की पुतलियों की मूवमेंट असामान्य हो जाती है। एक आंख की पुतली बड़ी और दूसरी छोटी दिख सकती है।

शाकाहारी हैं तो घबराएं नहीं! बिना नॉनवेज खाए ऐसे बढ़ाएं विटामिन बी12

शरीर में सभी विटामिन और मिनरल्स का सही स्तर होना जरूरी है। लेकिन आजकल विटामिन बी12 की कमी बहुत आम हो गई है। यह विटामिन खासतौर पर नॉन वेज खाने में ज्यादा पाया जाता है, इसलिए जो लोग शाकाहारी हैं या नॉन वेज नहीं खाते, उन्हें इसकी कमी हो सकती है। चलिए जानते हैं कि बिना नॉन वेज लिए भी कैसे विटामिन बी12 का स्तर बढ़ाया जा सकता है।

शाकाहारी लोगों में विटामिन बी12 की कमी

शाकाहारी भोजन में विटामिन बी12 बहुत कम होता है, इसलिए शाकाहारी लोगों में इसकी कमी सबसे ज्यादा देखी जाती है। इस कमी

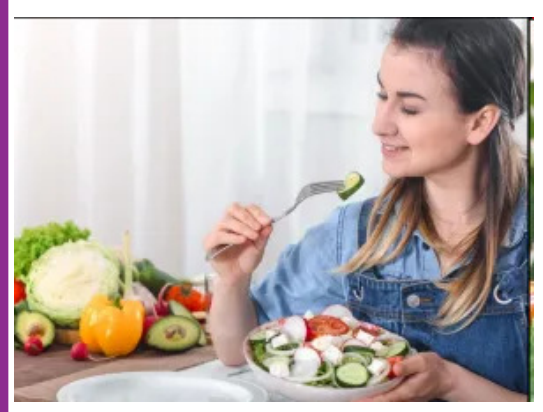

के कारण शरीर कमजोर महसूस हो सकता है, हाथ-पैर सुन्न हो सकते हैं और नसों को नुकसान भी हो सकता है। इसलिए शरीर में विटामिन बी12 का सही स्तर बनाए रखना जरूरी होता है।

विटामिन बी12 कमी के लक्षण

विटामिन बी12 की कमी शरीर में कई तरह के लक्षणों के रूप में सामने आती है, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इसकी कमी के सबसे सामान्य संकेतों में लगातार थकान महसूस होना, मतली या जी मिचलाना, बिना कोशिश के वजन कम होना और त्वचा का पीला पड़ना शामिल है। इसके अलावा जीभ में सूजन आना, हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस होना, नजर धुंधली होना और याददाश्त कमजोर पड़ना भी इसके संकेत हो सकते हैं। कुछ लोगों को बोलने या चलने में भी परेशानी होने लगती है। मानसिक लक्षणों में चिड़चिड़ापन और डिप्रेशन की समस्या भी देखी जा सकती है। यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें और आवश्यक जांच करवाएं।

विटामिन बी12 की कमी क्यों होती है?

बी12 की कमी के कई कारण हो सकते हैं, जैसे खाने में विटामिन बी12 का कम होना, पेट में सूजन या गैस्ट्रिक इंफ्लामेशन। पर्निशियस एनीमिया (रक्त की बीमारी), पाचन तंत्र की समस्याएं किसी सर्जरी के बाद पाचन क्षमता का कम होना। अधिक शराब का सेवन, ट्रांसकोबालामिन 2 की कमी, इन कारणों से शरीर में बी12 का स्तर कम हो सकता है।

विटामिन बी12 बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका

डॉक्टरों के अनुसार विटामिन बी12 की कमी का इलाज नेजल जेल या नेजल स्प्रे से किया जा सकता है, जो बहुत असरदार होते हैं। इसके अलावा ओरल मेडिकेशन (गोली) और इंट्रामस्कुलर इंजेक्शन भी लिए जा सकते हैं। यह तरीके शरीर में बी12 का स्तर जल्दी और प्रभावी रूप से बढ़ाते हैं।

जानवरों से मिलने वाले विटामिन बी12 वाले फूड्स

अगर आप नॉन वेज खाते हैं तो इन खाद्यों से आसानी से विटामिन बी12 मिल सकता है।

रथयात्रा के बीच प्रभु जगन्नाथ से क्यों नाराज हो जाती है मां लक्ष्मी? हर साल तोड़ती हैं रथ का पहिया

ओडिशा का पुरी इस समय भक्ति में डूबा हुआ है । वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के तहत भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के रथों की गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा जारी है। जय जगन्नाथश के जयघोष के साथ लाखों भक्त बारिश और उमस के बीच तीनों देवताओं - भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथों को खींच रहे हैं। रथ यात्रा के दौरान

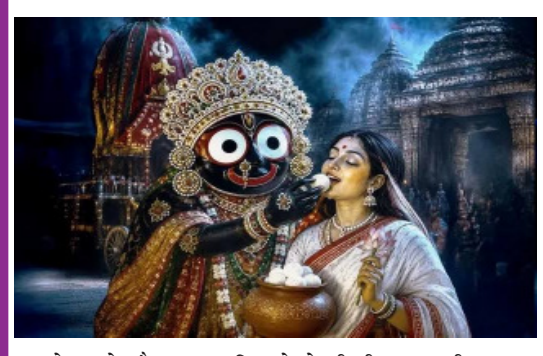

माता के रूठने और रथ का पहिया तोड़ने की लीला बहुत ही अद्भुत व प्रसिद्ध है।

नंदीघोष रथ का तोड़ा जाता है पहिया

रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को रथ में बैठाकर नगर भ्रमण कराया जाता है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ दसों अवतार का रूप धारण करते हैं। इस समय उनका व्यवहार सामान्य मनुष्यों जैसा होता है। रथयात्रा के तीसरे दिन पंचमी को लक्ष्मी जी भगवान जगन्नाथ को ढूंढ़ते यहां आती हैं। तब द्वैतापति दरवाजा बंद कर देते हैं तो वह नाराज हो जाती हैं और भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ का एक पहिया तोड़ देती हैं, ताकि वे वापस ना जा सकें। इसके बाद हेरा गोहिरी साही पुरी का एक मुहल्ला जहां लक्ष्मी जी का मन्दिर है, वहां लौट जाती हैं।

रसगुल्ले से प्रसन्न होती है मां लक्ष्मी

बाद में भगवान जगन्नाथ लक्ष्मी जी को मनाने जाते हैं। उनसे क्षमा मागकर और अनेक प्रकार के उपहार देकर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इस दौरान भगवान जगन्नाथ माता लक्ष्मी को कई बेशकीमती चीजें और मिठाई भेंट करते हैं, जिन्में रसगुल्ले विशेष रूप से होते हैं। काफी कोशिश के बाद देवी लक्ष्मी मान जाती हैं और ये शर्त रखती हैं आगे से ऐसी भूल नहीं होनी चाहिए। इस तरह ये रुठने-मनाने की परंपरा सालों से चली आ रही है। इस परंपरा को हेरा पंचमी कहते हैं।

हर जगह मिलता है रसगुल्ले का प्रसाद

इस आयोजन में एक ओर द्वैताधिपति भगवान जगन्नाथ की भूमिका में संवाद बोलते हैं तो दूसरी ओर देवदासी लक्ष्मी जी की भूमिका में संवाद करती है। पुरी के जगन्नाथ धाम में सिर्फ यही एक दिन होता है, जब महाप्रभु को विशेष रूप से सफेद रसगुल्ले का भोग लगता है और वह देवी लक्ष्मी के साथ इसका भोग स्वीकार करते हैं। इस दिन आपको पुरी के हर चौक-चौराहे, घर-मंदिर में बेहिसाब रसगुल्ले का प्रसाद मिलेगा।

रिश्तों का आधार धन नहीं, सम्मान होना चाहिए : डॉ. दीपक प्रसाद

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता

झारखंड रांची` सांस्कृतिक शोधकर्ता, चिंतक एवं रंगनिर्देशक डॉ. दीपक प्रसाद ने कहा है कि बदलते सामाजिक परिवेश में रिश्तों का आधार तेजी से भौतिकता और आर्थिक स्वार्थ की ओर बढ़ रहा है, जिससे बुजुर्गों के सम्मान और पारिवारिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज कई स्थानों पर बुजुर्गों का महत्व उनकी पेंशन, संपत्ति या आर्थिक क्षमता से आंका जाने लगा है, जो समाज के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों को सदैव देवतुल्य माना गया है। संयुक्त परिवार व्यवस्था में वे अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों के संवाहक रहे हैं, लेकिन आधुनिक जीवनशैली, उपभोक्तावाद और बढ़ती व्यस्तता के कारण अनेक बुजुर्ग उपेक्षा और अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। डॉ. प्रसाद ने कहा कि आर्थिक सहायता आवश्यक है, किंतु बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ा संबल परिवार का प्रेम, सम्मान, संवाद और भावनात्मक सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि परिवारों में बच्चों को बचपन से ही बुजुर्गों के सम्मान और सेवा के संस्कार दिए जाने चाहिए, ताकि समाज में मानवीय संवेदनाएं सुदृढ़ बनी रहें।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी परिवार ऐसे नहीं हैं, जहाँ बुजुर्गों की उपेक्षा होती है। आज भी अनेक परिवार अपने माता-पिता की निस्वार्थ सेवा कर समाज के सामने प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि रिश्तों को आर्थिक लाभ-हानि के तराजू पर नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मानवीय मूल्यों के आधार पर मजबूत बनाया जाए। उनके अनुसार किसी भी समाज की वास्तविक समृद्धि उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसके बुजुर्गों को मिलने वाले सम्मान और आत्मीयता से मापी जाती है।

32 वर्षों की तपस्या का साकार फल : यमुना जल समझौते से शेखावाटी के विकास का स्वर्णिम अध्याय प्रारंभ

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता

जयपुर। जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, समृद्धि और सभ्यता का आधार है। भारतीय संस्कृति में नदियों को मां का स्वरूप माना गया है, क्योंकि वे केवल प्यास नहीं बुझातीं, बल्कि जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। ऐसे ही एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना राजस्थान, जब 32 वर्षों से लंबित यमुना जल परियोजना को निर्णायक गति मिली। 29 जून 2026 को नई दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के बीच हुए यमुना जल समझौते ने विशेष रूप से शेखावाटी क्षेत्र की वर्षों पुरानी प्रतीक्षा को नई उम्मीदों में बदल दिया। यह समझौता केवल दो राज्यों के बीच जल वितरण का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आशाओं, विश्वास और भविष्य का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के सहयोग तथा मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयासों का यह सशक्त परिणाम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को राजस्थान की जल सुरक्षा की आधारशिला बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने जल संकट को केवल वर्तमान की समस्या नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती मानकर कार्य किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने संवाद, समन्वय और सकारात्मक सोच को प्राथमिकता देते हुए वर्षों से रुके इस विषय को गति प्रदान की। इसी परिणामस्वरूप आज वह सपना साकार होने की दिशा में बढ़ रहा है, जिसकी कल्पना तीन दशक पूर्व की गई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत ने राजस्थान के लिए यमुना जल में 577 एमसीएम अर्थात लगभग 1917 क्यूसेक जल का वैधानिक अधिकार सुनिश्चित कराया था। यह अधिकार कागजों तक सीमित रह गया और वर्षों तक धरातल पर नहीं उतर सका। वर्तमान सरकार ने उसी अधूरे संकल्प को अपनी प्राथमिकता बनाया और निरंतर प्रयासों के माध्यम से उसे वास्तविकता के निकट पहुंचाया।

मुख्यमंत्री ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही प्रदेश के जल संसाधनों की व्यापक समीक्षा कर जल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल किया। इसके बाद केंद्र सरकार के सहयोग से राजस्थान और हरियाणा के बीच वर्षों से रुकी वार्ता को पुनः प्रारंभ किया गया। लगातार बैठकों, प्रशासनिक समन्वय और सकारात्मक संवाद के परिणामस्वरूप दोनों राज्यों के बीच सहमति बनी और ऐतिहासिक समझौते का मार्ग प्रशस्त हुआ। लगभग 34 हजार 102 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना राजस्थान के इतिहास की सबसे बड़ी जल आधारभूत संरचना योजनाओं में शामिल होगी। इसके अंतर्गत हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से झुंझुनूं जिले के हांसियावास जलाशय तक लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी तीन भूमिगत पाइपलाइनें बिछाई जाएंगी। प्रत्येक पाइपलाइन का व्यास 3.6 मीटर होगा और इन्हें अत्याधुनिक हाईब्रिड तकनीक से तैयार किया जाएगा। इस विशाल परियोजना के माध्यम से जल संग्रहण के बाद वितरिकाओं द्वारा सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिलों के विभिन्न क्षेत्रों तक पेयजल एवं सिंचाई का जल पहुंचाया जाएगा। साथ ही हरियाणा क्षेत्र में पाइपलाइन के समानांतर निरीक्षण सड़क का भी निर्माण होगा, जिससे संचालन और रखरखाव सुगम बनाया जा सके।

परियोजना के अंतर्गत हांसियावास में आधुनिक कृत्रिम जलाशय विकसित किया जाएगा। जल प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक नियंत्रण प्रणाली स्थापित होगी तथा संचालन हेतु राजस्थान-हरियाणा यमुना वाटर एसपीवी का गठन किया जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार और दोनों राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। जल प्रवाह का संचालन अपर यमुना रिवर बोर्ड के दिशा-निदेर्शों के अनुसार होगा तथा केंद्रीय जल आयोग इसकी निगरानी करेगा। हरियाणा के कुछ क्षेत्रों के लिए निर्धारित टैपिंग प्वाइंट्स की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे यह योजना दोनों राज्यों के लिए समान रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। परियोजना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2001 में अपर यमुना रिवर बोर्ड ने मानसून अवधि में राजस्थान को 577 एमसीएम जल आवंटित करने का निर्णय लिया था।

परिवार में पहले से किसी को है अस्थमा तो जान लीजिए ये जरूरी बातें, वरना आप भी हो जाएंगे शिकार

आजकल सांस से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और इनमें सबसे ज्यादा चर्चा अस्थमा की होती है। खासकर बच्चों में यह बीमारी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। अस्थमा दरअसल फेफड़ों की एक क्रॉनिक (लंबे समय तक रहने वाली) बीमारी है, जिसमें सांस की नलियों में सूजन और सिकुड़न आ जाती है। इसकी वजह बलगम बनता है और सांस लेने में कठिनाई, खांसी, सीने में जकड़न और घरघराहट जैसे लक्षण होते हैं। शोध बताते हैं कि अस्थमा का सीधा संबंध हमारे वातावरण और जीवनशैली से है। बढ़ते प्रदूषण, धूल-धुआं, सिगरेट का धुआं और एलर्जी इसके बड़े कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार दुनिया में करीब 26 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं और हर साल लाखों नई केस सामने आते हैं। साल 2023 के आंकड़ों के अनुसार भारत में 3.5 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित थे, जो इस रोग के वैश्विक मामलों का लगग 12.9% था। अस्थमा का अभी कोई स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन सही देखभाल और समय पर इलाज से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इसी से संबंधित एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को अस्थमा रहा है उन्हें अपने खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

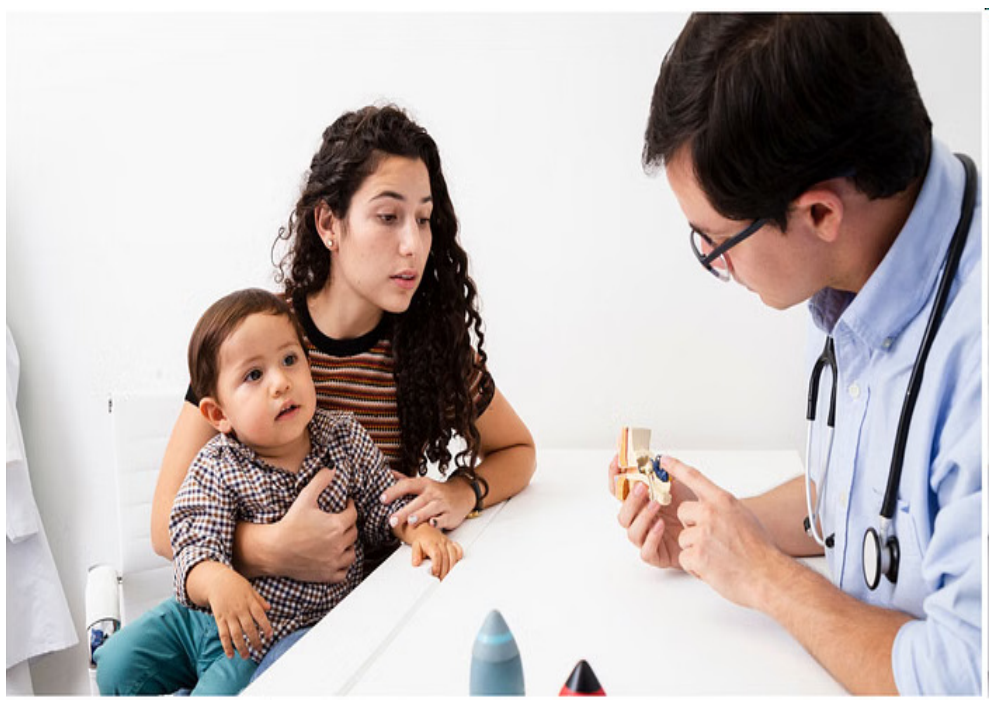

बच्चों में अस्थमा का खतरा

भारत में एक लाख से अधिक बच्चों पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर आपके परिवार में पहले से किसी को अस्थमा है तो बच्चों को आइसक्रीम, दही, केले जैसे खाद्य पदार्थों से अस्थमा होने का खतरा बढ़ जाता है। अस्थमा के कारणों को समझने के लिए स्कूल आधारित नेशनल स्टडी में ये चौंकाने वाली बात सामने आई है। हालांकि पहले भी घर के लोग इस तरह की ठंडी तासीर वाली चीजों को खाने से रोकते थे, अब मेडिकल साइंस ने भी इसकी पुष्टि कर दी है।

अध्ययन में क्या पता चला?

देशभर में दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर सहित नौ प्रमुख केंद्रों में ये अध्ययन किया गया। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. निष्ठा सिंह कहती हैं कि किशोरों में दही, आइसक्रीम, केले और पैक स्नैक्स का सेवन लक्षणों को बढ़ा रहा है। दही और आइसक्रीम ठंडी प्रकृति के होते हैं। ठंडे पदार्थ श्वसन तंत्र की नलिकाओं में सिकुड़न (ब्रॉन्कोस्पाज्म) ला सकते हैं, जिससे गले और श्वसन मार्ग में बलगम गाढ़ा हो सकता है, जो पहले से संकीर्ण वायुमार्ग में रुकावट बढ़ाता है। चूंकि अस्थमा का खतरा आमतौर पर परिवारों में चलता है यानी कि यदि माता-पिता में से कोई अस्थमा से पीड़ित हो तो बच्चों में इस रोग के विकसित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए पहले से ही ऐसे बच्चों के खानपान को लेकर अलर्ट रहना जरूरी है।

पर्यावरणीय स्थितियों को लेकर भी बरतें सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान में इस तरह की गड़बड़ी के अलावा पर्यावरण से संबंधित फैक्टर्स भी अस्थमा को ट्रिगर करने वाले हो सकते हैं। घरों में सीलन और फफूंदी, लकड़ी का धुंआ, मिट्टी का तेल और कोयला जैसे बायोमास ईंधन, मच्छर भगाने वाली कॉइल और यातायात से होने वाला प्रदूषण भी अस्थमा को ट्रिगर करने वाला हो सकता है।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,रविवार,19 जुलाई 2026

रकुल प्रीत सिंह ने बढ़ाई फूड सेफ्टी की आवाज

वाटस आन योर प्लेट चौलेंज से जुड़ीं अभिनेत्री

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने वाटस्अप आन योर प्लेट चौलेंज को स्वीकार करते हुए फिल्म द इंडिया स्टोरी से प्रेरित इस जागरूकता संदेश का हिस्सा बन गई हैं। काजल अग्रवाल द्वारा नॉमिनेट किए जाने के बाद रकुल ने सोशल मीडिया पर अपनी थाली की एक झलक साझा करते हुए लोगों से रोजाना खाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देने की अपील की है। अपने पोस्ट में रकुल ने काजल अग्रवाल का धन्यवाद करते हुए बताया कि उनकी थाली में साफ-सुथरा और संतुलित भोजन था, जो इस फिल्म के संदेश के अनुरूप है। फिलहाल रकुल प्रीत सिंह ने इस चौलेंज को आगे बढ़ाते हुए जैकी भगनानी और तमन्ना भाटिया को नॉमिनेट किया है, जिससे यह महत्वपूर्ण बातचीत और अधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं, काजल अग्रवाल ने भी रकुल की स्टोरी को रीशेयर कर उनकी भागीदारी की सराहना करते हुए फिल्म के मूल संदेश को दोहराया है। वाटस आन योर प्लेट चौलेंज सोशल मीडिया पर लगातार लोकप्रिय हो रहा है। इस पहल के तहत लोगों को अपनी थाली की तस्वीर साझा करने के साथ-साथ भोजन की गुणवत्ता, खेती में कीटनाशकों के इस्तेमाल और फूड सेफ्टी जैसे अहम मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान लोगों को यह सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है कि उनका भोजन कहां से आता है और उनकी थाली तक पहुंचने से पहले उसकी गुणवत्ता कैसी होती है। यह पहल फिल्म द इंडिया स्टोरी की मूल थीम से जुड़ी हुई है, जो कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल वाली खेती और उसके जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे गंभीर मुद्दे को उजागर करती है। फिल्म के जरिए इस चर्चा को सिनेमाघरों से निकालकर आम लोगों की रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बनाने की कोशिश की जा रही है, जिससे उपभोक्ता अधिक जागरूक और सोच-समझकर निर्णय ले सकें। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत द इंडिया स्टोरी में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। यह फिल्म 24 जुलाई, 2026 को हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जैसे-जैसे अधिक हस्तियां वाटस आन योर प्लेट अभियान से जुड़ रही हैं, यह पहल फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ाने के साथ-साथ एक ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है, जो करोड़ों परिवारों के जीवन से जुड़ा हुआ है।

जान्हवी कपूर की झोली में आ गिरी नई फिल्म, इस निर्देशक के साथ काम करेंगी अभिनेत्री

ऐसा लगता है कि जान्हवी कपूर 'पेद्दी' के विवाद से उबर गई हैं। इस मामले के लगभग एक महीने के बाद अभिनेत्री ने निर्देशक उमेश बिश्ट के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन की है। यूजर्स का इल्जाम था कि 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर ने कई आपत्तिजनक सीन किए थे। विवाद बढ़ने पर निमार्ताओं ने फिल्म में बदलाव किए थे।

वैरायटी इंडिया के अनुसार, जान्हवी कपूर का नया प्रोजेक्ट का अभी तक कोई शीर्षक नहीं है। इसे एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स और गुनीत मोंगा की सिख्या एंटरटेनमेंट का समर्थन मिला है। कलाकार और क्रू इस साल अक्तूबर-नवंबर के आसपास शूटिंग शुरू करेंगे। कहानी, शैली और कलाकारों के संबंध में अभी तक ज्यादा जानकारी नहीं है। 'पगलैट 2' पर काम कर रहे उमेश बिश्ट दूसरी ओर, उमेश बिस्ट 'पगलैट 2' के निर्देशन में भी व्यस्त हैं। यह 2021 नेटफ्लिक्स फिल्म की अगली कड़ी है। उम्मीद है कि सान्या मल्होत्रा संध्या के रूप में अपनी मुख्य भूमिका निभाएंगी। दूसरा भाग कहानी को आगे बढ़ाएगा। जान्हवी के किरदार पर उठे सवाल आपको बता दें कि 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर की भूमिका ने सिनेमा में महिलाओं के वस्तुकरण पर एक बहस छेड़ दी थी। कई दर्शकों ने फिल्म के कैमरा एंगल, क्लोज-अप शॉट्स और रोमांटिक दृश्यों की आलोचना की थी। लोगों का कहना था कि मेकर्स ने अभिनेत्री के चरित्र को एक सार्थक भूमिका देने के बजाय उसे एक दृश्य वस्तु में बदल दिया। जबकि कुछ ने जान्हवी को दोषी ठहराया। प्रतिक्रिया के बाद, निर्देशक बुची बाबू सना ने माफी मांगी और फिल्म से विवादास्पद दृश्य हटा दिए। इस मुद्दे पर जया बच्चन, करीना कपूर खान, निथ्या मेनन, जगपति बाबू और डिंपल हयाथी सहित मशहूर हस्तियों की प्रतिक्रियाएं भी आईं। कई ने महिला पात्रों को बेहतर ढंग से लिखने और सिनेमा में महिलाओं को चित्रित करने के तरीके में बदलाव की मांग की।

चिन्मय मिशन अमृत महोत्सवः द.अफ्रीका में गूंजा हनुमान चालीसा का पाठ, 17000 श्रद्धालु शामिल

दक्षिण अफ्रीका के डरबन स्थित चौट्सवर्थ स्टेडियम में हाल ही में चिन्मय मिशन के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित मैन टू हनुमान कार्यक्रम में 17,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ कर नया इतिहास रचा। स्वामी अभेदानंद सरस्वती के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हनुमान चालीसा का 27 बार सामूहिक पाठ किया गया, जिससे कुल 4 लाख से अधिक पाठ पूरे हुए। इसे भारत के बाहर सनातन परंपरा के सबसे बड़े सार्वजनिक आध्यात्मिक आयोजनों में से एक माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पूरा स्टेडियम केसरिया

ध्वजों, भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह से सराबोर दिखाई दिया। विभिन्न आयु वर्ग के श्रद्धालुओं ने एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ कर एकता और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम के लिए भेजे अपने विशेष संदेश में चिन्मय मिशन के 75 वर्षों की आध्यात्मिक सेवा की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासियों ने दक्षिण अफ्रीका के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक जीवंत सेतु का कार्य किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामूहिक प्रार्थना और भि समाज में शांति, सद्भाव और करुणा को मजबूत करने का माध्यम बन सकती है। पद्मश्री भजन सम्राट अनूप जलोटा और गायिका-अभिनेत्री अनुजा सहाय के भजन एवं सामूहिक मंत्रोच्चार ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अनूप जलोटा ने अपने संबोधन में चिन्मय मिशन की वैश्विक आध्यात्मिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि 2026 में स्वामी अभेदानंद दक्षिण अफ्रीका में अपनी आध्यात्मिक सेवा के 20 वर्ष पूरे करेंगे। स्वामी अभेदानंद सरस्वती ने श्रद्धालुओं से अपनी आध्यात्मिक पहचान पर गर्व करने और समाज में सेवा, सद्भाव तथा एकता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उनके आह्वान पर पूरा स्टेडियम तीन बार मैं एक गर्वित हिंदू हूँ के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान की तस्वीर और केसरिया ध्वज लहराकर अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम में क्वाजुलु-नताल और आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं को लाने के लिए 80 से अधिक बसों की व्यवस्था की गई। लगभग 200 स्वयंसेवकों ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभालीं, जबकि 20,000 से अधिक महाप्रसाद के पैकेट तैयार कर श्रद्धालुओं में वितरित किए गए। सभी आगंतुकों को धार्मिक साहित्य, प्रसाद और स्मृति सामग्री से युक्त विशेष स्वागत किट भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में क्वाजुलु-नताल के प्रीमियर थामी न्तुली भी शामिल हुए। उन्होंने चिन्मय मिशन की 75 वर्षों की सेवा की सराहना करते हुए दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक योगदान को महत्वपूर्ण बताया। चिन्मय मिशन के अनुसार, यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला एक ऐतिहासिक अवसर साबित हुआ।

झकझोर देने वाली कहानी के साथ सामने आया द इंडिया स्टोरी का ट्रेलर, 24 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

द इंडिया स्टोरी स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेसश का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो कीटनाशक आधारित खेती और उसके समाज पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे बेहद अहम मुद्दे को सामने लाता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक रोमांचक कहानी के जरिए उन सच्चाइयों को उजागर करती है, जो करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। दमदार ड्रामा, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक संदेश से भरपूर यह ट्रेलर साहस, न्याय और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी की झलक पेश करता है।जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी। फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने ट्रेलर के बारे में कहते हैं, द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत की शुरूआत है, जो आज बेहद जरूरी है। इस कहानी के माध्यम से हमने उस समस्या पर रोशनी डालने की कोशिश की है, जो चुपचाप हर घर को प्रभावित कर रही है। ट्रेलर सच्चाई, साहस और संघर्ष की इस ताकतवर यात्रा की एक झलक है। हमें उम्मीद है कि यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और अपने आसपास की हकीकत को समझने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा काजल अग्रवाल ने फिल्म को लेकर कहा, द इंडिया स्टोरी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अर्थपूर्ण अनुभव रहा। मेरा किरदार हर मुश्किल के बावजूद सच का साथ देता है और यही इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों से जुड़ाव बनाएगा और उन्हें इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित करेगा। इसी के साथ श्रेयस तलपड़े ने रिलीज हुए इस दमदार ट्रेलर के बारे में कहा, इस ट्रेलर में द इंडिया स्टोरी का भावनात्मक पक्ष पूरी मजबूती से सामने आता है। यह एक आम इंसान की असाधारण चुनौती के खिलाफ उम्मीद और हौसले के साथ लड़ी गई लड़ाई की कहानी है। मुझे विश्वास है कि दर्शक इसकी भावनाओं और संदेश से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेंगे और 24 जुलाई को सिनेमाघरों में इस फिल्म का अनुभव लेने के लिए उत्साहित होंगे। फिल्म के सह-निमार्ताओं में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आजमी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

जेनिफर विंगेट ने विलियम इश्माएल से रचाई शादी; तस्वीरें साझा कर लिखा- 'मेरे पति से मिलिए'

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने अपने बॉयफ्रेंड विलियम इश्माएल से शादी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस से यह खबर साझा की है। जेनिफर विंगेट इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। उनकी शादी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि एक्ट्रेस ने बॉयफ्रेंड विलियम से शादी कर ली है। इन अटकलों पर अब खुद जेनिफर ने विराम लगा दिया है। उन्होंने अपनी और विलियम इश्माएल की शादी की पुष्टि कर दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया है। जेनिफर ने शेयर कीं शादी की झलकियां आज शनिवार को जेनिफर विंगेट ने अपने

इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उनकी और विलियम की शादी की झलकियां हैं। दोनों ने क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की है। जेनिफर सफेद रंग के गाउन में नजर आ रही हैं। वहीं, विलियम ब्लू कलर के सूट में हैं। लिखा- 'सितारे मिल गए' एक तस्वीर में कपल ने एक-दूसरे का हाथ थामा हुआ है। जेनिफर अपनी अंगूठी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। वहीं, एक फोटो में वे एक-दूजे को किस करते दिखे हैं। जेनिफर ने पोस्ट में विलियम को भी टैग किया है। साथ ही लिखा है, 'और, आखिरकार हमारे सितारे मिल गए'। वीडियो के साथ जेनिफर ने लिखा है, 'हमारी शादी संपन्न हुई। लेडीज और जेंटलमैन...आप सभी को आधिकारिक रूप से अपने पति से मिलवा रही हूं'। अभिनेत्री के पोस्ट पर फैंस बधाई दे रहे हैं। जेनिफर जहां अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं, वहीं उनके पति विलियम इश्माएल सिंगापुर के बिजनेसमैन हैं। करण सिंह ग्रोवर से हुई थी पहली शादी बता दें कि यह जेनिफर की दूसरी शादी है। इससे पहले साल 2012 में उन्होंने अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। हालांकि, बाद में दोनों की राहें जुदा हो गईं। साल 2014 में दोनों का तलाक हो गया।

सैयारा के एक साल पूरे, अहान पांडे-अनीत पड्डा ने वेम्बली में लॉन्च किया एक्सक्लूसिव एलपी

यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) की ब्लॉकबस्टर रोमांटिक फिल्म सैयारा ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। दुनियाभर में 580 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करने वाली इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली प्रेम कहानी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। अब फिल्म की रिलीज के एक साल पूरे होने के मौके पर वाईआरएफ ने फैंस के लिए एक खास सरप्राइज पेश किया है। फिल्म की लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा ने लंदन के प्रतिष्ठित वेम्बली स्टेडियम में सैयारा के एक्सक्लूसिव कलेक्टर्स एडिशन विनाइल एलपी का लॉन्च किया। निर्देशक मोहित सूरी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी के प्रोडक्शन में बनी सैयारा हाल के वर्षों की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में गिनी जाती है। फिल्म ने दुनियाभर में 580 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही फिल्म ने अपने नए सितारों अहान पांडे और अनीत पड्डा को रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म की पहली वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए वाईआरएफ ने अहान पांडे और अनीत पड्डा के साथ लंदन के वेम्बली स्टेडियम में सैयारा एक्सक्लूसिव कलेक्टर्स एडिशन विनाइल एलपी का अनावरण किया। यह विशेष कलेक्टिबल फिल्म के संगीत, भावनाओं और यादगार पलों को समर्पित है, जिसे खास तौर पर प्रशंसकों और म्यूजिक लवर्स के लिए तैयार किया गया है। सैयारा के प्रशंसकों के लिए वेम्बली स्टेडियम केवल एक लोकेशन नहीं, बल्कि फिल्म की सबसे भावुक यादों का हिस्सा है। फिल्म के चर्चित दृश्य में कृष कपूर, वाणी बत्रा को विशाल स्क्रीन पर देखकर पहचान लेता है। वहीं फिल्म का भावनात्मक क्लाइमैक्स भी इसी स्टेडियम में आयोजित कॉन्सर्ट के दौरान दोनों के पुनर्मिलन के साथ पूरा होता है। यही वजह रही कि फिल्म की पहली सालगिरह पर स्क्रीनॉन्च के लिए वेम्बली को चुना गया। कलेक्टर्स एडिशन विनाइल स्क्को दो डिस्क में तैयार किया गया है। पहली डिस्क (स्क्-1) में फिल्म के सभी 9 सुपरहिट गाने शामिल किए गए हैं। वहीं दूसरी डिस्क (स्क्-2) में 16 ओरिजिनल बैकग्राउंड स्कोर और फिल्म के 9 सबसे यादगार संवादों को जगह दी गई है। इस तरह कुल 25 ट्रैक्स के जरिए दर्शक फिल्म के हर भावनात्मक पल को दोबारा महसूस कर सकेंगे। इस स्पेशल एडिशन को सिर्फ म्यूजिक तक सीमित नहीं रखा गया है। पैक में सैयारा डायरी भी शामिल की गई है, जिसमें अक्षय विधानी, मोहित सूरी, अहान पांडे, अनीत पड्डा, तनिष्क बागची, फहीम अब्दुल्ला, अरसलान निजामी, इरशाद कामिल, द रिश, विशाल मिश्रा, राज शेखर, सचेत-परंपरा, मिथून और जॉन स्टुअर्ट एडुरी के व्यक्तिगत संदेश प्रकाशित किए गए हैं। इसके अलावा वाणी की नोटबुक से प्रेरित एक एक्सक्लूसिव इंक पेन और कृष एवं वाणी थीम वाले दो विशेष बुकमार्क्स भी इस पैक का हिस्सा हैं। वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा कि सैयारा उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि रोमांस की उस दुनिया में वापसी थी जिसने वाईआरएफ की पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि टीम का उद्देश्य केवल एक सफल फिल्म बनाना नहीं था, बल्कि ऐसा संगीत तैयार करना था जो लंबे समय तक लोगों के दिलों में जिंदा रहे। उन्होंने बताया कि यह कलेक्टर्स एडिशन विनाइल एलपी प्रशंसकों को फिल्म के संगीत, संवादों और भावनाओं को दोबारा जीने का मौका देगा। निर्देशक मोहित सूरी ने कहा कि किसी भी प्रेम कहानी की असली आत्मा उसका संगीत होता है और श्सैयाराश इसके सबसे बड़े उदाहरणों में से एक है।

138 साल का ऐतिहासिक सफर, शिमला से शुरू हुआ था एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट

कोलकाता। एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप का आगामी संस्करण अगले कुछ दिनों में शुरू होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट का इतिहास भी अपने आप में काफी खास है। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में कुछ नाम केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि विरासत बन जाते हैं। डूरंड कप भी ऐसी ही एक विरासत है, जिसने पिछले 138 वर्षों में केवल विजेताओं को नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल की पहचान और उसकी संस्कृति को भी आकार दिया है। 1888 में शिमला के अन्नाडेल मैदान में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट आज एशिया का सबसे पुराना और दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जाता है। ब्रिटिश भारत के विदेश सचिव सर मॉर्टिमर डूरंड की पहल पर शुरू हुई इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सैनिकों के बीच अनुशासन, टीम भावना और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना था। शुरुआती वर्षों में इसमें केवल सैन्य रेजीमेंटों की टीमें हिस्सा लेती थीं। हिमालय की तलहटी में बसे अन्नाडेल मैदान पर होने वाले मुकाबले सैन्य परंपरा और खेल भावना का प्रतीक माने जाते थे। समय के साथ भारतीय फुटबॉल का विस्तार हुआ और डूरंड कप ने भी खुद को बदलते दौर के अनुरूप ढाल लिया। सैन्य दायरों से निकलकर इसने भारतीय क्लबों के लिए अपने दरवाजे खोले और यहीं से इसकी कहानी एक नए मोड़ पर पहुंची। मोहम्मडन स्पोर्टिंग डूरंड कप जीतने वाला पहला भारतीय क्लब वर्ष 1925 में मोहन बागान डूरंड कप में हिस्सा लेने वाला पहला भारतीय नागरिक क्लब बना। हालांकि वह खिताब जीतने में सफल नहीं हो सका, लेकिन उसने यह साबित कर दिया कि भारतीय क्लब भी देश के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल मंच पर बराबरी से मुकाबला कर सकते हैं। डूरंड कप के इतिहास का सबसे यादगार अध्याय 1940 में लिखा गया। दिल्ली के इरविन एम्फीथिएटर में खेले गए फाइनल में कोलकाता के मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने रॉयल वारविकशायर रेजीमेंट को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही मोहम्मडन स्पोर्टिंग डूरंड कप जीतने वाला पहला भारतीय नागरिक क्लब बन गया। उस मुकाबले को देखने के लिए करीब एक लाख दर्शक पहुंचे थे, जो उस दौर के सबसे बड़े खेल आयोजनों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के बाद मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग जैसे क्लबों ने डूरंड कप को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। खासकर कोलकाता की फुटबॉल संस्कृति और यहां के समर्थकों के जुनून ने इस टूर्नामेंट को नई पहचान दी। डूरंड कप की एक और खासियत यह रही कि आधुनिकता को अपनाने के बावजूद उसने अपनी जड़ों से कभी समझौता नहीं किया। सेना और सेवा टीमों की निरंतर भागीदारी ने टूर्नामेंट में अनुशासन, सम्मान और खेल भावना की उस परंपरा को जीवित रखा, जिसके साथ इसकी शुरुआत हुई थी। वर्ष 2019 में पूर्वी कमान के संरक्षण में डूरंड कप का नया अध्याय शुरू हुआ, जब इसका केंद्र कोलकाता बना। पूर्वी कमान के संरक्षण में टूर्नामेंट का नया विस्तार हुआ। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कई शहर अब इसकी मेजबानी करते हैं और भारतीय क्लबों के साथ सेना और सेवा टीमें भी लगातार हिस्सा लेती हैं। इसके बाद यह प्रतियोगिता एक शहर तक सीमित न रहकर बहु-राज्य और बहु-शहर आयोजन में बदल गई। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कई शहरों तक इसकी पहुंच ने इसे एक वास्तविक राष्ट्रीय फुटबॉल उत्सव का स्वरूप दिया। 138 वर्षों की यात्रा में डूंड कप ने दो विश्व युद्ध, स्वतंत्रता आंदोलन, विभाजन और भारतीय फुटबॉल के बदलते दौर को देखा है। लेकिन हर दौर में उसने खुद को समय के अनुरूप ढाला और अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। यही कारण है कि डूरंड कप केवल एक फुटबॉल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि भारतीय खेल इतिहास की एक जीवंत और गौरवशाली संस्था है।

हरमनप्रीत की जगह भविष्य में कौन बन सकता है महिला टी20 टीम का कप्तान? मिताली ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर अभी टी20 प्रारूप में भी भारतीय महिला टीम की कमान संभाल रही हैं। लेकिन मिताली राज का मानना है कि भविष्य में उनकी जगह लेने के लिए दो खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा है कि शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स टी20 प्रारूप में बतौर कप्तान हरमनप्रीत कौर की जगह लेने के लिए तैयार हैं। मिताली ने भारतीय महिला टी20 कप्तान के रूप में शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के नाम का समर्थन किया। मंधाना का नहीं लिया नाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन ने मौजूदा भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना के बजाय शेफाली को कप्तान के तौर पर सपोर्ट करने पर सवाल उठाया था। इसके जवाब में मिताली ने कहा कि उन्होंने टी20 प्रारूप में टीम के भविष्य को देखते हुए शेफाली का नाम लिया था। मिताली ने कहा, शेफाली का नाम मैंने भविष्य को देखते हुए लिया। वह अभी भी युवा है, उसका स्ट्राइक रेट सबसे अच्छे में से एक है, वह गेंदबाजी कर सकती है। 2019 से टी20 सेटअप में है। नेतृत्व क्षमता मैदान पर ही विकसित होती है। मंधाना के बारे में पूर्व कप्तान ने एक्स पर लिखा, स्मृति के नेतृत्व क्षमता पर मुझे कोई शक नहीं है। वह लंबे फॉर्मेट में इंडिया की कप्तानी के लिए अच्छी हैं। जेमिमा टी20 सेटअप का हिस्सा हैं। उनका विश्व कप बेशक अच्छा नहीं था, लेकिन ऐसा किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकता है। वह एक टीम प्लेयर है, निस्वार्थ और स्पिन की एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वह अपनी फील्डिंग से हर मैच में 20-25 रन भी बचाती हैं। इस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। मेरे हिसाब से दोनों सच में कप्तानी के लिए तैयार हैं। 22 साल की शेफाली भारत के लिए 111 और 25 साल की जेमिमा 131 टी20 खेल चुकी हैं। दोनों वनडे विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम हाल ही में इंग्लैंड में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 से ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2018 में टी20 की कप्तान बनीं हरमनप्रीत टीम इंडिया को टी20 विश्व कप नहीं जीता सकी हैं। ऐसे में मिताली राज का बयान छोटे प्रारूप में भारतीय महिला टीम के नेतृत्व के लिहाज से अहम है। फिलहाल, हरमनप्रीत सितंबर-अक्तूबर में जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी करेंगी और उम्मीद है कि वह अगस्त-सितंबर में महिला एशिया कप में भी टीम की कप्तानी करेंगी।

तीसरे वनडे से पहले भारत को बड़ा झटका, वॉशिंगटन सुंदर चोटिल होकर बाहर; किस गेंदबाज को मिला मौका?

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। वॉशिंगटन सुंदर दाहिनी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह हर्ष दुबे को भारतीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे वनडे से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण सीरीज के आखिरी मुकाबले से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि हर्ष दुबे को सुंदर की जगह भारतीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। तीन मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और अब इसका फैसला रविवार को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे वनडे में होगा। दूसरे वनडे में लगी थी चोट 26 वर्षीय वॉशिंगटन सुंदर को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी। भारत की पारी के 33वें ओवर में रन लेते समय उनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। इसके बाद फिजियो कमलेश जैन मैदान पर पहुंचे और उपचार के बाद उनकी जांच पर भारी स्ट्रैपिंग की गई। हालांकि सुंदर ने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन अगली ही गेंद पर साकिब महमूद की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर को कैच थमा बैठे और सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इंग्लैंड की पारी के दौरान वह मैदान पर नहीं उतरे और उनकी जगह अर्शदीप सिंह सब्स्टीट्यूट फील्डर के रूप में नजर आए। स्कैन के बाद सीरीज से बाहर बीसीसीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वॉशिंगटन सुंदर की दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट की पुष्टि हुई है। वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के शेष मुकाबले से बाहर हो गए हैं। अब उनकी विस्तृत स्कैनिंग होगी और आगे के इलाज व रिहैबिलिटेशन के लिए विशेषज्ञ की राय ली जाएगी। हर्ष दुबे को पहली बार मिला मौका पुरुष चयन समिति ने वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर हर्ष दुबे को भारतीय वनडे टीम में शामिल किया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले हर्ष दुबे को पहली बार भारतीय वनडे टीम का हिस्सा बनाया गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन उन्हें सीधे प्लेइंग इलेवन में मौका देता है या फिर अंतिम एकादश में किसी अन्य संयोजन के साथ उतरता है। बल्लेबाजी कोच ने पहले ही जताई थी चिंता दूसरे वनडे के बाद भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी सुंदर की चोट को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और चोट गंभीर लग रही है। अब बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणा के साथ यह साफ हो गया है कि सुंदर निर्णायक मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, हर्ष दुबे।

क्या कॉमनवेल्थ में भारत का आगाज होगा खास? ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई-लवलीना को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के आगाज से पहले भारत के लिए गर्व का पल सामने आया है। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को उद्घाटन समारोह में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों खिलाड़ी ग्लासगो में भारतीय दल की अगुवाई करती नजर आएंगी। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की उद्घाटन समारोह में भारत का ध्वजवाहक और बैटन बेयरर बनाया गया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को इसकी घोषणा की। कम आकार में आयोजित होने वाले इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट की शुरुआत 23 जुलाई को उद्घाटन समारोह के साथ होगी। क्या दो महिला खिलाड़ियों को मिली जिम्मेदारी? भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई। पीटी उषा ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना ओबीओ हाइड्रे में यह सम्मान संभालेंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि उद्घाटन समारोह में भारतीय टीम के लिए दो महिला खिलाड़ियों का चयन गर्व की बात है। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और फिलहाल ब्रिटेन में होने वाले खेलों की तैयारी कर रही हैं। क्या मीराबाई चानू फिर से भारत की बड़ी पदक उम्मीद होंगी? मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वह करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक खिलाड़ियों में शामिल हैं। मीराबाई ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक हासिल किया। हालांकि, वह 2024 पेरिस ओलंपिक में अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो में वह अब भी भारत की मजबूत पदक दावेदारों में शामिल हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं। क्या लवलीना बोरगोहेन भी ग्लासगो में पदक की बड़ी दावेदार हैं? लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। लवलीना ने 2023 एशियाई खेलों में भी रजत पदक अपने नाम किया था। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भी उनसे भारत के लिए शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

विझिंजम बंदरगाह 18 अगस्त से निर्यात-आयात का पूर्ण परिचालन शुरू करेगा, जानिए इससे कैसे मिलेगा

नई दिल्ली। केरल का विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा, जिससे यह एक प्रमुख वैश्विक कार्गो प्रवेश द्वार बन जाएगा। यह कदम लॉजिस्टिक्स लागत कम करेगा और 'मिशन समुद्र' के तहत आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देगा। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। केरल सरकार ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू करेगा। यह बंदरगाह अब एक ट्रांसशिपमेंट केंद्र से पूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्गो प्रवेश द्वार में बदल जाएगा। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को हरी झंडी दिखाएंगे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य सरकार 'मिशन समुद्र' कारोबार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक शिपिंग कंपनियों, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, निर्यातकों, निवेशकों और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों को एक साथ लाएगा। राज्य सरकार अपनी दीर्घकालिक समुद्री विकास पहल 'मिशन समुद्र' का भी आधिकारिक अनावरण करेगी। साथ ही, यह समुद्री-नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि के लिए केरल का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी। विझिंजम बंदरगाह कैसे बना एक वैश्विक केंद्र? केरल सरकार और अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत इस बंदरगाह को विकसित किया है। विझिंजम बंदरगाह दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते कंटेनर बंदरगाहों में से एक के रूप में उभरा है। इसने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के केवल 18 महीनों के भीतर 20 लाख टीईयू संभाले हैं। बंदरगाह ने दुनिया के कुछ सबसे बड़े मदर शिप भी प्राप्त किए हैं। यह विझिंजम की विश्व स्तरीय समुद्री केंद्र के रूप में उत्कृष्ट क्षमता को दर्शाता है। मिशन समुद्र का क्या है लक्ष्य? निर्यात-आयात सेवाओं की शुरुआत राज्य सरकार की 100-दिवसीय कार्य योजना का हिस्सा है। यह विझिंजम को एक पूर्ण निर्यात-आयात प्रवेश द्वार में बदल देगा। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।

देश में अगले साल से आ सकते हैं प्लास्टिक के नोट, 10 और 20 रुपये से होगी शुरूआत

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही कटे-फटे और गंदे नोटों की समस्या हमेशा के लिए खत्म होने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट लाने का नीतिगत फैसला कर लिया है और अगले साल तक 10 और 20 रुपये के प्लास्टिक नोट बाजार में उतारे जा सकते हैं। क्रेडिट कार्ड की तरह कड़े होने के बजाय ये नोट बेहद पतले, हल्के और लचीले होंगे। भारत में पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट चलन में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। फिलहाल दस व बीस रुपये के प्लास्टिक नोट बाजार में लाए जाएंगे। इसमें सुरक्षा के उन्हीं उन्नत नियमों का पालन किया जाएगा जो कागज के नोट छापने में अपनाए जाते हैं। अगले साल यह नोट बाजार में आ सकते हैं। रिजर्व बैंक ने पॉलीमर शीट आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। शुरुआती चरण सफल रहा तो बड़े नोट भी चरणबद्ध तरीके से लाए जाएंगे। इन पॉलीमर नोटों के लिए डिजाइन, आकार व छपाई उसी तरह होगी जैसे कागज के नोट पर होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इन नोटों में विशेष तकनीक अपनाई जाएगी। रिजर्व बैंक के अधिकारियों के मुताबिक पॉलीमर नोटों के प्रचलन में आने की समय सीमा नहीं बताई जा सकती। इतना जरूर है कि पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट लाने का नीतिगत निर्णय हो चुका है और चार चरणों से गुजरने के बाद पॉलीमर नोट छापे जाएंगे। पतले, लचीले प्लास्टिक सब्सट्रेट से बनेंगे नोट इस पूरी प्रक्रिया में वक्त लगना स्वाभाविक है। इसमें मौसम, इस्तेमाल के तौर-तरीकों व जनता की सहूलियत का भी ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक पहले चरण में कितने नोट तैयार होंगे इसका आकलन बाजार में दस व बीस रुपये मूल्य वर्ग के नोटों की उपलब्धता, एटीएम व बैंकों की जरूरत के हिसाब से तय होगा। यह नोट एक पतले, लचीले प्लास्टिक सब्सट्रेट से बनेंगे। ये क्रेडिट या डेबिट कार्ड की तरह कठोर नहीं हल्के, लचीले होंगे। पहले भी हो चुकी है कवायद...वर्ष 2012 में भारत सरकार ने मैसूर, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला समेत कुछ शहरों में 10 रुपये के एक अरब पॉलीमर नोटों के परीक्षण को मंजूरी दी थी। लेकिन तकनीकी चुनौतियों के कारण यह पहल आगे नहीं बढ़ सकी।

30 की हुई स्मृति मंधाना, बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं। बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए, उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं। 2013 में किया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद स्मृति मंधाना ने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जल्द ही भारतीय महिला टीम की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गईं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 2014, जबकि वनडे और टी20 में 2013 में पदार्पण किया। उपलब्धियों से भरा शानदार करियर स्मृति मंधाना के नाम कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के बाद आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार दो बार जीतने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर हैं। उनके नाम भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक (50 गेंदों में) लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। वह वनडे क्रिकेट में मिताली राज के बाद भारत की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज हैं। इसके अलावा मंधाना तीनों अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं। महिला क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनने का गौरव भी उनके नाम है। एक कैलेंडर वर्ष में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा चार शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्होंने अपने नाम किया है। कप्तानी की भी मजबूत दावेदार 30 वर्षीय स्मृति मंधाना को भविष्य में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्णकालिक कप्तानी का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हरमनप्रीत कौर के बाद टीम की कमान संभालने की दौड़ में उनका नाम सबसे आगे है। उन्होंने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी करते हुए टीम को दो बार खिताब दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता भी साबित की है।

सचिन ने सोबर्स के साथ बिताए पलों को किया याद, कोहली बोले- आने वाली पीढ़ियां रखेंगी याद

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सचिन ने सोबर्स के साथ अपनी आखिरी मुलाकात को याद किया। क्रिकेट जगत के महानतम ऑलराउंडरों में शुमार वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सचिन ने सोबर्स के साथ बिताए गए पलों को याद किया है, जबकि कोहली का कहना है कि सोबर्स ने अपने करियर में जो कुछ हासिल किया जो आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। सोबर्स का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने अपने करियर में बल्लेबाजी, तेज और स्पिन गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग से क्रिकेट को नई पहचान दी। 28 जुलाई को सोबर्स का 90वां जन्मदिन था, लेकिन उससे पहले ही उनका निधन हो गया। सर गारफील्ड सोबर्स ने वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 160 पारियों में 8,032 रन बनाए। उनका बल्लेबाजी औसत 57.78 रहा, जो उनके दौर के हिसाब से असाधारण माना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 26 शतक, 30 अर्धशतक, दो दोहरे शतक और एक तिहरा शतक लगाया। उनका सर्वोच्च स्कोर 365 रन* रहा, जो उस समय टेस्ट क्रिकेट का विश्व रिकॉर्ड था और कई वर्षों तक कायम रहा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 235 विकेट लिए। उनका गेंदबाजी औसत 34.04 और इकोनॉमी 2.33 रही। सोबर्स ने अपने करियर में सिर्फ एक वनडे मैच खेला। इसमें उन्होंने कोई रन नहीं बनाया, लेकिन एक विकेट जरूर हासिल किया। सचिन ने किया भावुक पोस्ट सचिन तेंदुलकर ने सर गैरी सोबर्स के साथ बिताए गए पलों को याद करते हुए एक बेहद भावुक पोस्ट लिखा। सचिन ने कहा कि इस खबर पर विश्वास कर पाना बेहद मुश्किल है। अपनी यादों को साझा करते हुए सचिन ने लिखा, यह स्वीकार करना बेहद कठिन है कि सर गैरी अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं वर्षों से हमारे बीच की उन यादों को याद कर रहा हूं जब उन्होंने मुझे 2003 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी सौंपी थी और मुझे सम्मानित करते हुए प्यार भरे शब्द कहे थे। वे हमेशा बेहद दयालु और उदार रहे।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,रविवार,19 जुलाई 2026

भक्तों को धोखा देने के लिए भोंदू बाबा ने खुद को बताया शिव का अवतार

लोगों की संपत्तियों पर किया हाथ साफ

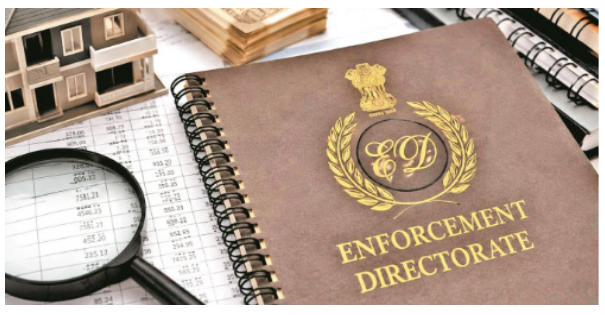

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल ऑफिस ने मुंबई की स्पेशल कोर्ट (पीएमएलए) में अशोक कुमार एकनाथ खरात (उर्फ कैप्टन/भोंदू बाबा), उनकी पत्नी कल्पना खरात और चार अन्य लोगों के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग की शिकायत (पीसी) दर्ज की है। यह मामला पीएमएलए, 2002 की धारा 3 के तहत मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध से जुड़ा है। इसमें धारा 4 के तहत सजा का प्रावधान है। भोंदू बाबा ने भक्तों को धोखा देने के लिए खुद को भगवान शिव का अवतार बताया। लोगों के पैसे व संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। ईडी ने अब तक कितनी संपत्ति अटैच की? ईडी ने इसी सप्ताह पीएमएलए, 2002 की धारा 5 के तहत आरोपी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद 19.20 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त (अटैच) किया है। यह उन संपत्तियों के अतिरिक्त है, जिन्हें अप्रैल और मई में जब्त किया गया था। उनकी कीमत 17.70 करोड़ रुपये थी। जांच एजेंसी ने आरोपी की कई जगहों पर छापा मारकर, बैंक लॉकरों और गाड़ियों की तलाशी के दौरान संपत्ति जब्त की थी। अब तक इस मामले में लगभग 36.90 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच, जब्त या फ्रीज की जा चुकी है। भक्तों को किस तरह जाल में फंसाया गया? ईडी ने सरकार वाडा, शिरडी, सिन्नर और राहाता पुलिस स्टेशनों में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि अशोक कुमार एकनाथ खरात ने भक्तों की धार्मिक आस्था का फायदा उठाया। बेईमानी से उन्हें 'अवतार पूजा' करने, बीमारियों को ठीक करने, दुर्भाग्य को टालने और व्यापार में तरक्की सुनिश्चित करने के बहाने पैसे और संपत्ति देने के लिए उकसाया। इस तरह उसने भक्तों से जबरन वसूली की। धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी के जरिए जमकर कमाई की। मनी लॉन्ड्रिंग का नेटवर्क कैसे चलाया गया? जांच में यह भी पता चला कि खरात ने भक्तों को धोखा देने के लिए खुद को दैवीय शक्तियों वाला और भगवान शिव का अवतार बताया। उसने दो सहकारी क्रेडिट सोसायटियों के जरिए अपराध से हुई कमाई को लॉन्डर किया। इसके लिए उसने एक कर्मचारी की मिलीभगत से कई खाते चलाए। बड़ी मात्रा में कैश जमा करने और बाद में निकालने (मैच्योरिटी की रकम सहित) के लिए कई बेनामी खातों का इस्तेमाल किया। लॉन्डर किए गए फंड को भरोसेमंद साथियों के पास रखा गया। इसके बाद आरोपी ने नासिक, अहमदनगर, सोलापुर, पुणे और मुंबई में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अचल संपत्तियों में निवेश किया। इससे पहले, ईडी ने मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए 19 मई को अशोक कुमार एकनाथ खरात को गिरफ्तार किया था। वह अभी भी न्यायिक हिरासत में है।

स्काईरूट ने रचा इतिहास, छह पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की सफल लॉन्चिंग हो गई है। इस लॉन्चिंग ने निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के लिए एक ऐतिहासिक अध्याय बताया है। भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च हुआ। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सुबह 11:30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से कुछ देर पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी है। वहीं, विक्रम-1 के माध्यम से दो उपग्रहों सहित छह पेलोड को सफलतापूर्वक निम्न-पृथ्वी कक्षा में पहुंचाया। पीएम मोदी ने दी बधाई श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर में मौजूद टीम से फोन पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह 'मिशन आगमन' है। इस आगमन को

अभी और आगे बढ़ते जाना है। पीएम मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापकों से बात करते हुए कहा, 'सबसे पहले स्काईरूट एयरोस्पेस को पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। मुझे इस सफलता के लिए आनंद है। मैं इस पूरे लॉन्चिंग कार्यक्रम को देख रहा था। आपकी पूरी टीम 20-30 साल की उम्र की दिखती है। ये मुझे और खुशी दे रही थी।' क्या है मिशन आगमन? मिशन आगमन विक्रम-1 रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान है। इसका प्रक्षेपण आज सुबह 11:30 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाना है। इस मिशन के जरिए स्काईरूट एयरोस्पेस अपने पूरी तरह स्वदेशी विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल की क्षमताओं का परीक्षण करेगी। विक्रम-1 रॉकेट की क्या खासियत है? विक्रम-1 रॉकेट का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है। विक्रम-1 एक 24 मीटर लंबा ऑर्बिटल क्लास रॉकेट है, जिसे छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए तैयार किया गया है।

पाकिस्तान पर मध्यस्थ के तौर पर भरोसा नहीं करता इस्त्राइल

पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्त्राइल की एक सांसद और वहां की राजनीतिक पार्टी की प्रमुख ने ईरान युद्ध में पाकिस्तान की मध्यस्थता पर सवाल उठाए हैं। साथ ही पीएम मोदी की तारीफ की है। उन्होंने आने वाले समय में भारत और इस्त्राइल के बीच एक गहरे और बड़े गठबंधन की उम्मीद जताई। इस्त्राइल की पूर्व सांसद और ओज पार्टी की चेयरपर्सन डॉ. इनात विल्फ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल के लोग भारत और पीएम मोदी के लिए अच्छी राय रखते हैं। लोग दोनों देशों के बीच अगले कुछ वर्षों में एक बड़े और गहरे गठबंधन की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका को लेकर उन्होंने

कहा कि इस्त्राइल, पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता है। पाकिस्तान पर नहीं इस्त्राइल को भरोसा अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान सुलह कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, हालांकि इस्त्राइल शुरूआत से ही एक बात स्पष्ट तौर पर कहता रहा है कि वह पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता है। पाकिस्तान पर एक जिम्मेदार रीजनल एक्टर या मध्यस्थ के तौर पर इस्त्राइल के भरोसे को लेकर नेसेट की पूर्व सदस्य और ओज पार्टी की चेयर डॉ. इनात विल्फ ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। इस्त्राइल पाकिस्तान पर मध्यस्थ के तौर पर भरोसा नहीं करता और न ही कर सकता है। हाल के वर्षों में हमने देखा है कि कतर और पाकिस्तान जैसे देश खुद को अच्छे मध्यस्थ के तौर पर पेश करते हैं।' पाकिस्तान की मध्यस्थता पर क्या आपत्ति? उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से अगर कोई देश मध्यस्थ बनना चाहता है, तो सबसे बेसिक जरूरत यह है कि उसके उन पार्टियों के साथ पूरे और खुले राजनयिक संबंध हों जिनके साथ वह मध्यस्थता करने का दावा करता है। पाकिस्तान खुद को इस्त्राइल का दुश्मन बताता है और उसके नेताओं ने इस्त्राइल की नीतियों के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके वजूद के बारे में भी ऐसी निंदात्मक बातें कही हैं। मुझे नहीं लगता कि इस्त्राइल में कोई भी पाकिस्तान को एक अच्छा मध्यस्थ मानता है। पीएम मोदी की जमकर तारीफ इस्त्राइली नेता ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व स्तर पर लोकप्रियता बढ़ी है। पीएम मोदी लगातार सबसे लोकप्रिया नेता चुने जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत की भूमिका ने भी दुनिया के तमाम देशों का ध्यान खींचा है। खासकर पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर सामने आया है। ऐसे में उनके इस्त्राइल दौरे का जिक्र करते हुए वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को लेकर डॉ. इनात विल्फ ने कहा, 'जैसा कि मुझे यकीन है कि आप जानते हैं यहां इस्त्राइल में हम आम तौर पर भारत के लिए और खासकर उनके नेतृत्व में भारत के लिए बहुत अच्छे विचार रखते हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से एक दिन पहले यहां नेसेट में थे।

बांग्लादेश में हिंदू युवक की गिरफ्तारी के खिलाफ अल्पसंख्यकों का प्रदर्शन, रिहाई की मांग तेज

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को राजधानी ढाका में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हिंदू युवक हरिदास चंद्र तरणी दास को झूठे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले

के पलाशबाड़ी इलाके में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने की पहल की थी। गिरफ्तारी को बताया अन्याय बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मणिंद्र कुमार नाथ ने गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने दो-तीन दिन पहले हरिदास चंद्र तरणी दास को गिरफ्तार किया और उन्हें जेल भेज दिया। उन्होंने कहा कि केवल भगवान राम की प्रतिमा निर्माण से जुड़े होने के कारण किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का लगाया आरोप मणिंद्र कुमार नाथ ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ लगातार हिंसा और उत्पीड़न की घटनाएं हुई हैं। उनके अनुसार, पिछले एक वर्ष में देशभर में करीब 3,000 घटनाएं सामने आईं। इनमें 66 लोगों की हत्या हुई और कई मंदिरों पर कट्टरपंथियों ने हमले किए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

रूस पर यूक्रेन का ड्रोन हमला, वेयरहाउस और तेल डिपो को बनाया निशाना, सात लोगों की हुई मौत

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क स्थित एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हमले में 7 कर्मचारियों की मौत और 24-25 लोग घायल हुए। यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24

से 25 लोग घायल हुए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने क्या दावा किया? गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी। ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में लगी आग वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं।

पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव से पहले बढ़ती हिंसा और अशांति पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष जांच, गिरफ्तार खअअउ नेताओं को कानूनी अधिकार देने, इंटरनेट सेवाएं बहाल करने और स्थानीय लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू करने की अपील की है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (OHCHR) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। आखिर वठ ने चिंता क्यों जताई? जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई? संयुक्त राष्ट्र

मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। वठ ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई? संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। गिरफ्तार नेताओं को लेकर क्या कहा गया? वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए खअअउ नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। इंटरनेट बंदी पर वठ ने क्या कहा? संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर भी चिंता व्यक्त की है। बयान में कहा गया कि ऐसे समय में जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है।

महिला से अभद्रता-मारपीट में TDP नेता समेत नौ गिरफ्तार

10 हजार की रिश्वत के आरोपों पर क्या बोली पुलिस?

गुंटूर। आंध्र प्रदेश के गुंटूर में कथित रिश्वत नहीं मिलने के बाद एक परिवार पर हमला करने और महिला के साथ गंभीर अभद्रता करने के आरोप में टीडीपी से जुड़े एक स्थानीय पदाधिकारी समेत नौ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। घटना को गंभीर मानते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में एक महिला से अभद्रता करने और मारपीट करने के आरोप में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के एक नेता और उसके परिवार के आठ अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसने टीडीपी नेता को 10 हजार रुपये की रिश्वत देने से मना किया था। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी की पहचान 45 वर्षीय मल्लेला वेंकट रमण मूर्ति के रूप में हुई है। वह गुंटूर शहर के नगरमपालेम क्षेत्र में टीडीपी से जुड़े वार्ड सचिव हैं। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई को मूर्ति ने स्थानीय निवासी नागेश्वर राव से 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। राव ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और उनकी पत्नी पर हमला किया गया। रिश्वत की मांग से कैसे बिगड़ा मामला? एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ₹हमने आरोपी मूर्ति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर शुक्रवार रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आज उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।₹ पुलिस के मुताबिक, 15 जुलाई को नागेश्वर राव अपने घर के सामने पानी के बोर की मरम्मत करा रहे थे। उसी दौरान मूर्ति वहां पहुंचा और 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। राव ने यह कहते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया कि यह उनके घर का निजी काम है और इसका खर्च वह खुद उठा रहे हैं। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बाद में राव का बेटा बीच-बचाव कर उन्हें घर के अंदर ले गया। पुलिस के अनुसार, उसी रात करीब आठ बजे मूर्ति अपने आठ रिश्तेदारों के साथ दोबारा वहां पहुंचा और राव व उनके परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान उसने राव की पत्नी को कथित तौर पर निर्वस्त्र भी कर दिया। घटना के बाद राव के परिवार ने 16 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(6), 74, 79, 115(2), 118(1) और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

सूर्य के बिना दिन है क्या भैया? दीप के बिना प्रकाश है क्या भैया? पुष्प के बिना परिमल की पहचान कैसे भैया? सकल के बिना निष्कल देखा जा सकता हैं क्या भैया? महा परवस्तु अव्यक्त परशिव को लिंग ने दिखाया, उरिलिंगपेद्दिप्रिय विश्वेश्वरा।

इस वचन में शरण उरिलिंगपेद्दि ने अव्यक्त स्वरूप की पहचान बताई है।

उदाहरण देकर समझाते हैं कि सूर्य के बिना दिन, दीप के बिना प्रकाश और पुष्प के बिना परिमल संभव नहीं। उसी तरह निराकार को साकार के द्वारा ही देखना संभव है। अव्यक्त परशिव को लिंग ने साकार कराया।

शरण उरिलिंगपेद्दि

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 916-4117755, ENAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440